सांध्य ज्योति दर्पण

www.dainiksandhyajyotidarpan.com

वर्ष 36 | अंक 153 | नागौर, बुधवार 26 मार्च 2025 | जयपुर, अलवर, नागौर व भरतपुर से एक साथ प्रकाशित | पृष्ठ : 8 मूल्य : एक रु.

प्रात:कालीन संस्करण

पुष्कर, अजमेर, नोखा, बीकानेर, बावड़ी, जोधपुर, मकराना, परबतसर, नावां, कुचामन, लाडनूं, डेगाना, मेड़तासिटी, कुचेरा, मूंडवा, डीडवाना, जायल, खींवसर में प्रसारित।

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा

माननीय मुख्यमंत्री

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव

राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन

मुख्य अतिथि

श्री भजनलाल शर्मा

माननीय मुख्यमंत्री

दिनांक - **26 मार्च, 2025** | समय - **प्रात: 10:30 बजे**

स्थान - **स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर**

30 हजार किसानों को 137 करोड़ रुपए अनुदान की स्वीकृति

किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के मेले का शुभारम्भ

योजनाओं के दिशा निर्देश

- पॉली हाउस, सौर पम्प, कृषि उपकरण, प्याज भण्डारण, मधुमक्खी पालन इत्यादि हेतु 12 योजनाएं
- बैल से खेती प्रोत्साहित करने हेतु योजना
- किसान सम्मान निधि की राशि में 1,000 रुपए की वृद्धि
- मंगला पशु बीमा योजना में पशुओं की संख्या दोगुनी
- पशुधन स्वास्थ्य हेतु नि:शुल्क औषधियों व टीकों की संख्या 138 से बढ़ाकर 200
- मुख्यमंत्री थार सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम

सशक्त किसान - समृद्ध राजस्थान

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

माइन्स विभाग की जयपुर टीम द्वारा बस्सी के हरड़ी हरध्यानपुरा में अवैध खनन में लिप्त 5 मशीनों सहित 14 वाहन जब्त कर पुलिस को सुपुर्द

जयपुर। माइन्स विभाग की जयपुर टीम ने मंगलवार को तड़के अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बस्सी तहसील के हरड़ी हरध्यानपुरा, दयारामपुरा में 3 एक्सक्वेटर मशीन, 1 डंपर, 2 कम्प्रेशर व 8 ट्रेक्टर ट्राली सहित 14 वाहन मशीनरी जब्त कर संबंधित पुलिस थाना में सुपुर्द किया है। खान विभाग जयपुर ने अधीक्षण खनि अभियंता श्री एनएस शक्तावत एवं अधीक्षण खनि अभियंता सतर्कता श्री प्रताप मीणा के निर्देशन में एमई जयपुर श्री श्याम कापड़ी की टीम ने एक मार्च, 25 से अब तक करीब 65 वाहन मशीनरी जब्त करने के साथ ही 25 लाख 79 हजार से अधिक की जुर्माना राशि भी वसूल कर ली है। खनि अभियंता जयपुर श्री श्याम कापड़ी ने बताया कि खनि कार्यदेशक श्री अरुण कुमार, श्री जैद अली, श्री विश्राम मीणा, सोनू अवस्थी व श्री सुधीर कुमार, श्री राजकुमार मय बॉर्डर होमगार्ड की टीम द्वारा मंगलवार तड़के निजी वाहनों का उपयोग करते हुए इस अभियान को अंजाम दिया। श्री कापड़ी ने बताया कि अवैध खनन कर्ताओं को कार्रवाई की किसी तरह भनक नहीं लग सके इसी को ध्यान में रखते हुए निजी कार्रवाई के दौरान टीम द्वारा निजी वाहनों का उपयोग किया

और इसी का परिणाम रहा कि तड़के अवैध खनन के खिलाफ इतनी बड़ी कार्रवाई संभव हो सकी। खनि अभियंता श्री श्याम कापडी ने बताया कि अवैध खनन/निर्गमन के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस अपनाते हुए बस्सी तहसील के हरध्यानपुरा, दयारामपुरा में अवैध खनन करते 3 एक्सक्वेटर मशीन, ब्लास्टिंग के उपयोग के लिए प्रयुक्त होने वाले 2 कंप्रेशर मशीन, एक डंपर और 8 ट्रेक्टर ट्रॉली जब्त कर पुलिस थाना बस्सी को सुपुर्द की गई।

उन्होंने बताया कि आज की कार्रवाई के अतिरिक्त एक मार्च 25 से अवैध खनिज गतिविधियों के प्रकरण में 2 अवैध खनन और 30 अवैध निर्गमन गतिविधियों पर कार्रवाई करते हुए 25 लाख 79 हजार 610 रु. की जुर्माना राशि वसूल कर राजकोष में जमा करा दी गई है।

कार्यवाही के दौरान एसएमई श्री एनएस शक्तावत, विजिलेंस श्री प्रताप मीणा के मार्गदर्शन में एमई श्री श्याम कापड़ी व विजिलेंस की टीम द्वारा कार्रवाई की जा रही है।

श्रीमद्भागवत कथा : समुद्र मंथन, गजग्रह उद्धार, वामन अवतार, राम जन्मोत्सव और नन्दोत्सव का किया वर्णन

धौलपुर। आरएसी रोड स्थित गंगा बेटी मन्दिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान सप्ताह यज्ञ के चौथे दिन मंगलवार को श्रीधाम वृंदावन से आए कथा वाचक आचार्य कृपाशंकर ने समुद्र मंथन, गजग्रह उद्धार, वामन अवतार, राम जन्मोत्सव और नन्दोत्सव की कथा सुनाई। कथा की शुरुआत में मुख्य यजमान विजय सिंह और नीतू राना ने कथापीठ का पूजन किया। कथा को आगे बढ़ाते हुए कथा व्यास आचार्य कृपाशंकर ने कहा कि भक्ति एक ऐसा उत्तम निवेश है, जो जीवन में परेशानियों का उत्तम समाधान देती है। साथ ही जीवन के बाद मोक्ष भी सुनिश्चित करती है। उन्होंने बताया कि जब-जब पृथ्वी पर अधर्म का बोलबाला बढ़ जाता है तब सर्वत्र हिंसा और उपद्रव दिखाई देता है। गोमाता, संतों व सज्जनों पर जब दुष्ट लोग अत्याचार करते हैं तब प्रभु वैकुंठ त्याग कर धराधाम में अवतरित होते हैं। कथा प्रसंग में श्रीराम अवतार का संक्षिप्त में वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान कभी जन्म नहीं लेते, अवतार धारण करते हैं, प्रकट होते हैं और प्रकट वहीं होते हैं जो पहले से विद्यमान हो। भगवान तो कण कण में मौजूद रहते हैं।

पर्यटन,शिक्षा और कौशल विकास से होगी आर्थिक समृद्धि -राज्यपाल

कोटा विश्वविद्यालय का प्रथम औद्योगिक अकादमिक सम्मेलन

जयपुर/कोटा। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि पर्यटन आर्थिक विकास का उत्प्रेरक है। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति में पर्यटन एक अभिन्न अंग के रूप में सदियों से विद्यमान रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में चारधाम यात्रा एवं अन्य धार्मिक यात्राओं की प्राचीन परंपरा रही है, जो लोगों को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप से जोड़ती है। राज्यपाल मंगलवार को कोटा विश्वविद्यालय के प्रथम औद्योगिक अकादमिक सम्मेलन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यटन रोजगार और आर्थिक विकास से सीधा जुड़ा हुआ है। उन्होंने भारतीय स्थापत्य कला की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय मंदिरों और ऐतिहासिक धरोहरों की नक्काशी और विशिष्ट कलाकृतियों के कारण वे आज वैश्विक पहचान बना चुके हैं। उन्होंने कहा कि सिंगापुर जैसे देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह पर्यटन पर निर्भर है। भारत में भी पर्यटन को इसी दृष्टि से विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोटा शहर चंबल नदी के किनारे स्थित होने के कारण प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक महत्व रखता है। कोटा में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होने की अपार संभावनाएं हैं। राज्यपाल ने कौशल विकास पर जोर देते हुए कहा कि कौशल रोजगार और रोटी की गारंटी देता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यटन और कौशल विकास साथ-साथ चलते हैं। यदि युवाओं को पर्यटन उद्योग से जोड़ते हुए उन्हें आवश्यक कौशल प्रदान किया जाए, तो इससे रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। उन्होंने होटल उद्योग, टूर गाइड, इको-टूरिज्म और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। राज्यपाल ने राजस्थान के किलों, हवेलियों, मंदिरों, वन्यजीव अभयारण्यों और पारिस्थितिकी तंत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि राजस्थान देश और विदेश के पर्यटकों के लिए हमेशा आकर्षण का केन्द्र रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यटन एक ऐसा उद्योग है जो अन्य छोटे व्यवसायों को भी प्रोत्साहित करता है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों में वृद्धि होती है। मुख्य वक्ता हिमाचल प्रदेश की सेंट्रल यूनिवर्सिटी के प्रो. संदीप कुलश्रेष्ठ ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अतिथि देवो भव की अवधारणा प्राचीन काल से चली आ रही है।

वार्षिक मेला पर पश्चिम एक्सप्रेस का श्री महावीरजी स्टेशन पर ठहराव

कोटा। यात्रियों की सुविधा के लिए कोटा मंडल के श्री महावीरजी स्टेशन पर दिनांक 06 अप्रैल से 14 अप्रैल, 2025 के बीच महावीर जयन्ती वार्षिक मेला के अवसर पर मुम्बई सेन्ट्रल-अमृतसर-मुम्बई सेन्ट्रल पश्चिम एक्सप्रेस का एक मिनट अस्थाई ठहराव ठहराव दिया गया है।

अस्थाई ठहराव का विवरण इस प्रकार है- गाड़ी संख्या 12925 मुम्बई सेन्ट्रल-अमृतसर पश्चिम एक्सप्रेस अपने प्रारम्भिक स्टेशन से दिनांक 06.04.25 से 13.04.25 तक के बीच प्रस्थान कर श्री महावीरजी आगमन सुबह 04.44 बजे एवं वापसी में गाड़ी संख्या 12926 अमृतसर-मुम्बई सेन्ट्रल पश्चिम एक्सप्रेस अपने प्रारम्भिक स्टेशन से दिनांक 07.04.25 से 14.04.25 तक के बीच प्रस्थान कर श्री महावीरजी 20.54 बजे आगमन कर गन्तव्य के लिए प्रस्थान करेगी। इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि यह निर्णय यात्रियों को मेला की भीड़ को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। इस संबंध में सर्व-संबधित स्टेशनों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है।

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय का 14वाँ दीक्षांत समारोह आयोजित

तकनीकी शिक्षा नवाचार, अनुसंधान और व्यावहारिक ज्ञान का संगम है- हरिभाऊ बागडे

कोटा। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा 14वाँ दीक्षांत समारोह 25 मार्च 2025 को केडीए ऑडिटोरियम, कोटा में आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागडे ने की एवं सम्मानित अतिथि के रूप में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दुबे उपस्थित थे। इस अवसर पर माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने विद्यार्थियों को डिग्रियां और स्वर्ण पदक प्रदान किए एवं दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय और सभी छात्र-छात्राओं को बधाई व उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रदान की। कुलसचिव भावना शर्मा ने 14वें दीक्षांत समारोह के समाप्ति पर विश्वविद्यालय की ओर से धन्यवाद ज्ञापन प्रदान किया। 14वें दीक्षांत समारोह में विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 9521 उपाधियां प्रदान की गई । इनमें पीएचडी के 36, एमटेक के 212, एमआर्क के 1, एमबीए के 745, एमसीए के 595, बीटेक के 7817, बीआर्क के 113 और बीएचएमसीटी के 2 विद्यार्थी सम्मिलित हैं। इस वर्ष कुल 7487 छात्र और 2034 छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गई। इस समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक कौटिल्य इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग, जयपुर के एमटेक (ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियरिंग) पाठ्यक्रम के छात्र आदित्य शर्मा को प्रदान किया गया, जबकि कुलपति स्वर्ण पदक आर्या कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, जयपुर की बीटेक पाठ्यक्रम की छात्रा रश्मि कुमारी को प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 20 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए, जिनमें एमटेक के 4, एमबीए के 1, एमसीए के 1, बीटेक के 13 और बीआर्क के 1 विद्यार्थी शामिल हैं। इन 20 विद्यार्थियों में 11 छात्र एवं 9 छात्राएं सम्मलित हैं। समारोह के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में अभियांत्रिकी संकाय के 28, प्रबंधन संकाय में 03 एवं कम्प्यूटर एप्लीकेशन संकाय के 05 सहित कुल 36 विद्यार्थियों को पीएचडी की डिग्रियां प्रदान की गई। जिसके अंतर्गत 24 छात्र एवं 12 छात्राएं सम्मिलित है। 14वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागडे ने दीक्षांत भाषण प्रदान करते हुए कहा कि दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं बल्कि आपके एक नये जीवन का आरंभ है। यह वह समय है जब आप अर्जित ज्ञान का उपयोग समाज व देश के प्रति समर्पित कर जन कल्याण हेतु करने के लिए तैयार हुए हैं। तकनीक शिक्षा की पहली आवश्यकता यह है कि हम जो भी बात कहें, तर्क से कहें। भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी में बहुत अग्रणी रहा है। तकनीकी शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, यह नवाचार, अनुसंधान और व्यावहारिक ज्ञान का संगम है। नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर आधारित है। उन्होंने विश्वविद्यालयों से आग्रह किया कि तकनीकी तथा विशिष्ट ज्ञान के क्षेत्रों के भी पाठ्यक्रम यहां अंग्रेजी के साथ हिन्दी में भी विकसित करें।स्थानीय ज्ञान-विज्ञान से संबंधित शोध एवं अनुसंधान को भी अधिकाधिक मातृभाषाओं में लाने के प्रयास शिक्षण संस्थान करें। सम्मानित अतिथि गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर के कुलपति प्रो. रमा शंकर दुबे ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य में तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान सरकार द्वारा वर्ष 2006 में स्थापित राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय ने एक समृद्ध विरासत और गौरवशाली इतिहास बनाया है। इसके प्रत्यायन पाठयक्रम प्रदेश में तकनीकी शिक्षा की उच्च गुणवत्ता के प्रमाण हैं। उन्होंने युवाओं को देश और समाज के प्रति अपनी सामाजिक दाइत्वों के निर्वहन का सन्देश देते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थी सामाजिक बदलाव के पथ प्रदर्शक हैं, हम सफलता के पाँच मार्गदर्शक सिद्धांत मंत्र' नवोन्मेषी विचारों से भारत की आर्थिक वृद्धि को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कुलपति प्रो.एसके सिंह ने दीक्षांत समारोह में माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय श्री हरिभाऊ बागडे के आगमन एवं सानिध्य के लिए विश्वविद्यालय परिवार के ओर से हार्दिक आभार प्रकट किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय का विस्तृत प्रगति विवरण प्रस्तुत किया।

आज का राशिफल

बुधवार, 26 मार्च, 2025

- **मेष :** किसी खास कार्य को लेकर किए गए प्रयासों में बेहतरीन सफलता मिलने वाली है। सिर्फ कोई भी निर्णय लेने से पहले उचित विचार-विमर्श अवश्य कर लें। कहीं फंसा हुआ पैसा मिल जाने से घर की देखरेख संबंधी गतिविधियां शुरू होंगी।
- **वृष :** ग्रह स्थिति में सकारात्मक बदलाव आया है। पिछले कुछ समय से बनाई गई योजनाओं को क्रियान्वित करने का अनुकूल समय आ गया है। आप थकान और तनाव से राहत पाने के लिए आराम और मनोरंजन के मूड में रहेंगे।
- **मिथुन :** अपनी काबिलियत पर भरोसा रखें तथा आगे बढ़े। आपको कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सहजता महसूस होगी। पिछले कुछ समय से चल रहे कार्य संपन्न होंगे और अपना समय आराम और कलात्मक संबंधी कार्यों में व्यतीत करेंगे।
- **कर्क :** दिनचर्या में नयापन लाने के लिए कुछ रचनात्मक गतिविधियों पर भी समय व्यतीत करें। इससे मन प्रफुल्लित रहेगा। नए नए संपर्क बनेंगे और इनके मार्गदर्शन से आर्थिक समस्या भी दूर होगी। परिवार में कोई मांगलिक आयोजन की योजना बन सकती हैं।
- **सिंह :** अपने कार्यों को नियत समय पर करने का लिया गया संकल्प पूरा करने में सक्षम होंगे। किसी संबंधी अथवा मित्र के साथ चल रही गलतफहमियां दूर होगी तथा संबंध पुनः मधुर हो जाएंगे।
- **कन्या :** आज कोई रुकी हुई पेमेंट मिल सकती है, इसलिए प्रयासरत रहें। किसी पारिवारिक समस्या को दूर करने के लिए किया गया आपका प्रयास कामयाब रहेगा। अनुभवी लोगों के मार्गदर्शन और सलाह पर अमल करना फायदेमंद रहेगा।
- **तुला :** नई योजनाएं बनाने तथा उन्हें क्रियान्वित करने का अनुकूल समय है। सिर्फ चुनौतियों से घबराने की बजाय उनका मुकाबला करें। इससे सफलता के मार्ग भी खुलेंगे। रचनात्मक और धार्मिक क्रियाकलापों के प्रति रुझान रहेगा। किसी मित्र के साथ मुलाकात सकारात्मक साबित होगी।
- **वृश्चिक :** संबंधी के माध्यम से अथवा फोन द्वारा कोई खास सूचना मिलेगी। मानसिक रूप से बहुत अधिक सुकून का अनुभव करेंगे। समझदारी से किया गया धन का विनिमय आपके लिए फायदेमंद रहेगा। बच्चों का ध्यान अपनी पढ़ाई पर फोकस रहेगा।
- **धनु :** दिन का कुछ समय आध्यात्मिक अथवा धार्मिक गतिविधियों में व्यतीत होगा, जिससे सकारात्मक ऊर्जा महसूस करेंगे। संतान के करियर से संबंधित समस्या का भी हल जरूर निकलेगा।
- **मकर :** आज कोई पारिवारिक मसला हल होने से व्यवस्था ठीक हो जाएगी। सामाजिक व धार्मिक क्रियाकलापों में समय व्यतीत करने से आपको मानसिक सुकून और शांति मिलेगी। प्रॉपर्टी के लेनदेन संबंधी गतिविधियां भी आगे बढ़ेंगी।
- **कुंभ :** आप घर की साज-सज्जा व रचनात्मक कार्य में अपने आप को व्यस्त रखेंगे। घर के रखरखाव संबंधी सामान की ऑनलाइन शॉपिंग में भी समय व्यतीत होगा। विद्यार्थियों को करियर संबंधी कोई शुभ सूचना मिल सकती हैं।
- **मीन:** आर्थिक गतिविधियां सुधरेंगी। आपके सभी काम सुचारू रूप से संपन्न होते जाएंगे। किसी राजनीतिक व्यक्ति की भी सहायता मिलेगी। विद्यार्थियों तथा युवाओं को ऑनलाइन प्रतिस्पर्धा में सफलता मिल सकती हैं।

अल्पना एडवरटाईजिंग एजेंसी
1/44 व्यास कालोनी नागौर
सभी समाचार पत्रों के विज्ञापन बुक किए जाते है।
मो: 8233244421, 9414244421

सांध्य ज्योति दर्पण

www.dainiksandhyajyotidarpan.com

वर्ष 36 | अंक 153 | नागौर, बुधवार 26 मार्च 2025 | जयपुर, अलवर, नागौर व भरतपुर से एक साथ प्रकाशित | पृष्ठ : 8 मूल्य : एक रु.

प्रात:कालीन संस्करण

सीकर की धान मंडी में चोरी, व्यापारी धरने पर ... पेज 8

पर्यटन, शिक्षा और कौशल विकास से होगा... पेज 6

अल्पना एडवरटाईजिंग एजेंसी
1/44 व्यास कालोनी नागौर
सभी समाचार पत्रों के विज्ञापन बुक किए जाते है।
मो: 8233244421, 9414244421

पुष्कर, अजमेर, नोखा, बीकानेर, बावड़ी, जोधपुर, मकराना, परबतसर, नावां, कुचामन, लाडनूं, डेगाना, मेड़तासिटी, कुचेरा, मूंडवा, डीडवाना, जायल, खींवसर में प्रसारित।

कलक्टर ने की जल जीवन मिशन की समीक्षा

(कार्यालय संवाददाता)

नागौर, 26 मार्च। जिला जल एवं स्वच्छता समिति की मासिक बैठक कलक्ट्रेट सभागाार में हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला कलक्टर अरूण कुमार पुरोहित ने की। इस दौरान के सदस्य पी.एस.तंवर अधीक्षण अभियंता परियोजना विंग ने परियोजना में संचालित कार्यों की प्रगति प्रस्तुत की।

श्योजीराम अधीक्षण अभियंता रेगुलर विंग एवं सदस्य सचिव वृत नागौर ने पीपीटी के माध्यम से प्रगति रिपोर्ट से अवगत कराया। जिला कलक्टर पुरोहित ने अधीक्षण अभियंता प्रोजेक्ट को निर्देशित किया कि सहायक अभियंता से प्रतिदिन व अधिशासी अभियन्ता से साप्ताहिक जल जीवन मिशन के चल रहे कार्यों की प्रगति रिपोर्ट लेकर प्रत्येक सोमवार की बैठक में अवगत करावे।

उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत वर्तमान में स्वीकृत एवं प्रगतिरत जल कनेक्शन से वंचित सरकारी विद्यालय, आंगनबाड़ी केन्द्रों, ग्राम पंचायत भवनों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा करते हुए जहां कनेक्शन नहीं उसकी अद्यतन सूची उपलब्ध करावें।इस दौरान जिला कलक्टर एवं अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि आगामी बैठक में फील्ड में कार्यरत कनिष्ठ अभियंता, सहायक अभियंता से कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्राप्त कर बैठक में प्रस्तुत करें। ताकि सही की स्थिति का पता लग सकें। इसके अलावा उन्होंने बैठक में परियोजना विंग के संवेदकों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। बैठक में नल जल मित्र तथा योजनाओं के संचालन एवं संधारण के व्यय पर चर्चा की गई। जूबेरी व लाहोटी फर्म के प्रतिनिधियों को पाइपलाइन डालने के बाद टूटी सड़कों के शीघ्र मरम्मत के निर्देश दिए।

परियोजना गुलर के रमेश चौधरी, सहायक अभियंता चुन्नीलाल दहिया, खिंयाराम स्वास्थ्य विभाग से डॉ. राजेश पाराशर, डिस्कॉम से अर्जुनसिंह राठौड़, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी मदनलाल शर्मा, कल्पना विश्नोई, जिला आईसी सलाहाकार मो. शरीफ छींपा, डॉ. तेजवीर, रामदेव बेरा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्लेसमेंट शिविर कल

(कार्यालय संवाददाता)

नागौर, 26 मार्च। राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी नीति के तहत आयुक्त कौशल नियोजन व उद्यमिता विभाग जयपुर के निर्देशानुसार जिला प्रशासन नागौर के सहयोग से जिला रोजगार कार्यालय, की ओर से एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर राजस्थान दिवस के उपलक्ष में 27 मार्च को प्रात: 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक जिला रोजगार कार्यालय, इन्द्रा कॉलोनी, नागौर में आयोजित होगा। सहायक निदेशक जगदीश ने बताया कि इस रोजगार सहायता शिविर में स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर की निजी क्षेत्र को लगभग 30 कम्पनियों द्वारा भाग लिया जाएगा।

10 वीं, 12 वीं, स्नातक आई टी आई एवं अन्य विशेष, तकनीकी योग्यताधारी बेरोजगार युवा अपना पंजीकरण करवाकर शिविर के माध्यम से निजी क्षेत्र की कम्पनियों में जॉब पानें के अवसर का लाभ उठा सकेंगे।

गर्मियों में रेल यात्रियों को मिलेगी अतिरिक्त सुविधा

जोधपुर, 26 मार्च। रेलवे द्वारा गर्मियों की छुटिटयों में अतिरिक्त यात्री भार के दौरान भी यात्रियों को असुविधा नहीं हो, इसके लिए 13 जोड़ी ट्रेनों में विभिन्न श्रेणी के डिब्बों की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार रेलवे प्रशासन का यही प्रयास है कि अधिकाधिक यात्री सुरक्षित यात्रा कर सकें, इसी उद्देश्य से इन ट्रेनों में डिब्बे बनाने का निर्णय लिया गया है। इनमें गाड़ी संख्या 14707/14708 बीकानेर-दादर-बीकानेर रेल में बीकानेर से 1 से 30 अप्रैल तक एवं दादर से 2 अप्रैल से 1 मई तक 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 22977/22978 जयपुर-जोधपुर-जयपुर ट्रेन में 1 से 30 अप्रैल तक 1 फर्स्ट कम सैकण्ड एसी तथा 1 सैकण्ड एसी श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 14801/14802 जोधपुर-इंदौर-जोधपुर ट्रेन में जोधपुर से 1 से 30 अप्रैल तक तथा इंदौर से 4 अप्रैल से 3 मई तक 3 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 12465/12466 इंदौर-भगत की कोठी-इंदौर रेल में इंदौर से 2 अप्रैल से 1 मई तक तथा भगत की कोठी से 3 अप्रैल से 2 मई तक 3 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 14854/14853 जोधपुर-वाराणसी सिटी-जोधपुर ट्रेन में जोधपुर से 1 से 30 अप्रैल तक तथा वाराणसी सिटी से 2 अप्रैल से 1 मई तक 1 थर्ड एसी श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 14864/14863 जोधपुर-वाराणसी सिटी-जोधपुर ट्रेन में जोधपुर से 1 से 30 अप्रैल तक तथा वाराणसी सिटी से 2 अप्रैल से 1 मई तक 1 थर्ड एसी श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 14866/14865 जोधपुर-वाराणसी सिटी-जोधपुर रेल में जोधपुर से 1 से 30 अप्रैल तक तथा वाराणसी सिटी से 2 अप्रैल से 1 मई तक 1 थर्ड एसी श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है।

गाड़ी संख्या 14807/14808 जोधपुर-दादर-जोधपुर ट्रेन में जोधपुर से 1 से 29 अप्रैल तक एवं दादर से 2 से 30 अप्रैल तक 2 थर्ड एसी, 2 द्वितीय शयनयान, 1 थर्ड एसी इकोनोमी श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 20483/20484 भगत की कोठी-दादर-भगत की कोठी ट्रेन में भगत की कोठी से 3 से 28 अप्रैल तक एवं दादर से 4 से 29 अप्रैल तक 2 थर्ड एसी, 2 द्वितीय शयनयान, 1 थर्ड एसी इकोनोमी श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 20485/20486 जोधपुर-साबरमती-जोधपुर रेल में जोधपुर से 1 से 30 अप्रैल तक एवं साबरमती से 3 अप्रैल से 2 मई तक 2 द्वितीय शयनयान, 1 थर्ड एसी श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 20492/20491 साबरमती-जैसलमेर-साबरमती रेल में साबरमती से 1 से 30 अप्रैल तक एवं जैसलमेर से 2 अप्रैल से 1 मई तक 1 थर्ड एसी व 2 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है।

गाड़ी संख्या 20475/20476 बीकानेर-पुणे-बीकानेर ट्रेन में बीकानेर से 7 से 28 अप्रैल तक एवं पुणे से 8 से 29 अप्रैल तक 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 20481/20482, भगत की कोठी-तिरूच्चिराप्पल्लि-भगत की कोठी एक्सप्रेस रेल भगत की कोठी से 2 से 30 अप्रैल तक एवं तिरूच्चिराप्पल्लि से 5 अप्रैल से 3 मई तक 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है।

जिले की मेड़ता मंडी 7 दिन रहेगी बंद

(नगर संवाददाता)

नागौर, 26 मार्च। प्रदेश की प्रमुख मेड़ता कृषि उपज मंडी में 26 मार्च से महत्वपूर्ण बदलाव होने जा रहा है। मंडी प्रशासन ने मार्च क्लोजिंग कार्यों के लिए 7 दिन का अवकाश घोषित किया है। मेड़ता उद्योग एवं व्यापार संघ के अध्यक्ष हस्तीमल डोसी के अनुसार, मंडी 26 मार्च से 1 अप्रैल तक पूरी तरह बंद रहेगी। इस दौरान अनाज की ढेरी बोली का कार्य स्थगित रहेगा। मंडी में केवल मार्च क्लोजिंग से संबंधित कार्य ही होंगे। मेड़ता कृषि उपज मंडी की विशेष पहचान है। यह मंडी अपनी व्यापारिक पारदर्शिता और अनाज के बेहतर मूल्यों के लिए पूरे राजस्थान में प्रसिद्ध है। यहां मेड़ता और जिले के अलावा पाली, अजमेर, जोधपुर, डीडवाना-कुचामन और सीकर जैसे दूर-दराज के क्षेत्रों से भी किसान अपना अनाज बेचने आते हैं। किसानों के लिए महत्वपूर्ण सूचना है कि मंडी में अनाज की ढेरी बोली 2 अप्रैल से पुन: प्रारंभ होगी। इस बीच किसानों को अपनी योजना इसी के अनुसार बनानी होगी।

माहेश्वरी भवन में गणगौर महोत्सव पर प्रतियोगिता

(नगर संवाददाता)

नागौर, 26 मार्च। जिले के डेगाना के माहेश्वरी भवन में माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गणगौर महोत्सव का भव्य आयोजन किया। समाज की महिलाओं और बालिकाओं ने गणगौर के पारंपरिक गीतों का गायन किया। साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। महिला मंडल की अध्यक्ष सुमित्रा सारड़ा और सचिव प्रियंका भूतड़ा के अनुसार, कार्यक्रम में गेम्स, मनोरंजक गतिविधियां, नृत्य-संगीत और हाउजी जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। महिलाओं ने गौर और ईशर की पूजा-अर्चना की। विवाहित महिलाओं ने अपने पति की लंबी आयु के लिए प्रार्थना की, जबकि कुंवारी कन्याओं ने योग्य जीवनसाथी की प्राप्ति के लिए मन्नतें मांगी। सभी ने परिवार की समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में उर्मिला भूतड़ा, संगीता सोमानी, दीपिका तोषनीवाल, चंद्रकांता बागड़, नेहा गिलड़ा समेत महिला मंडल की पदाधिकारी और समाज की अन्य महिलाएं व बालिकाएं उपस्थित रहीं। प्रतिभागियों का दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया।

टाउन हॉल में महिला सम्मेलन, बेटियों को वितरित की स्कूटी

(कार्यालय संवाददाता)

नागौर, 26 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसान, युवा, महिला एवं गरीब के कल्याण एवं उत्थान एवं आमजन के लिए गुड गवर्नेंस हेतु प्रतिबद्ध है। इसी क्र म में राज्य राजस्थान स्थापना दिवस के उपलक्ष में 30 मार्च चैत्र शुक्ल प्रतिपदाद्ध वृहद् स्तर पर साप्ताहिक उत्सव मनाया जा रहा है। बाड़मेर में राज्य स्तरीय व टाउन हॉल में जिला स्तरीय महिला सम्मेलन आयोजित किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन नगर परिषद् सभापति मीतू बोथरा, जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित, जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविन्द्र कुमार, उपखण्ड अधिकारी नागौर गोविन्द राम भींचर, महिला अधिकारिता विभाग उपनिदेशक जितेन्द्र शर्मा, समेकित बाल विकास सेवाएं उपनिदेशक दुर्गा सिंह उदावत, बी.आर. मिर्धा राजकीय महाविद्यालय, प्राचार्य हरसुख छंरग, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार में संयुक्त निदेशक कुंभाराम रेलावत, जिला स्तरीय अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति में आयोजित हुआ। जिला स्तरीय कार्यक्रम में काली बाई भील व देवनारायण मेधावी छात्रा स्कूटी वितरण योजना के तहत 35 बालिकाओं को स्कूटी तथा 10 से अधिक महिलाओं को इंडेक्शन कुक टॉप का सांकेतिक वितरण किया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में महिला सम्मेलन में लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत 7.5 करोड़ रूपए की राशि की पहली किश्त का डीबीटी हस्तांतरण, महिला समूहों को लगभग 100 करोड़ रुपए की सी.आई.एफ् राशि का हस्तान्तरण, 3 हजार महिलाओं को इंडेक्शन कुक टॉप का वितरण, कालीबाई भील योजना के अन्तर्गत 5 हजार मेधावी छात्राओं को स्कूटी वितरण, गार्गी पुरस्कार, बालिका प्रोत्साहन एवं मुख्यमंत्री हमारी बेटियां योजना के अन्तर्गत 31 हजार 790 बालिकाओं को 13.16 करोड़ का डीबीटी, विवेकानन्द स्कॉलरशिप योजना के लाभान्वित मेधावी छात्राओ को स्वीकृतिए 1.10 करोड़ महिला प्रमुख परिवार को 200 करोड़ रुपए की एल.पी.जी. सब्सिडी राशि का डीबीटी हस्तांतरण किया गया। साथ ही अति कुपोषित बच्चों के लिए टेक होम राशन में दूध 15 ग्राम से 25 ग्राम देने के दिशा निर्देश, सोलर दीदी हेतु दिशा-निर्देश, प्रथम चरण में 1000 ग्राम पंचायतों में बर्तन बैंक योजना के दिशा-निर्देश भी जारी किए गए। राजस्थान दिवस उत्सव सप्ताह के दुसरे दिन टाउन हॉल में दोपहर 10.30 बजे से जिला स्तरीय किसान सम्मेलन एवं एफपीओ कार्यक्रम होगा। जिसमें बीकानेर में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम का वर्चुअल प्रसारण होगा।

राजस्व कार्मिक 4 अप्रैल को करेंगे जयपुर कूच

नागौर/डीडवाना, 26 मार्च। राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिला कलक्टर पुखराज सैन को सौंपा। जिलाध्यक्ष धर्मवीर सिंह के नेतृत्व में दिए गए इस ज्ञापन में मंत्रालयिक निदेशालय गठन के निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की गई है। संघ ने कई महत्वपूर्ण मांगें रखी हैं। मंत्रालयिक निदेशालय में राजस्व मंडल और संबंधित कार्यालयों को शामिल न करने की मांग प्रमुख है। उपखंड अधिकारी कार्यालयों में नए पदों की मांग की गई है। तहसीलदार पदों पर मंत्रालयिक संवर्ग के कोटे को यथावत रखने की मांग भी शामिल है। संघ ने तहसीलदार पद की लंबित डीपीसी को जल्द पूरा करने की मांग की है। नए जिला कार्यालयों में स्थायी कर्मचारियों की नियुक्ति भी मांगों में शामिल है। 21 जनवरी 2025 को आधे दिन के कार्य बहिष्कार के बाद भी प्रशासन की ओर से कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया। इसके विरोध में संघ ने 4 अप्रैल 2025 को जयपुर में विशाल रैली का आयोजन करने का निर्णय लिया है।

झोरड़ा में निकला राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का पथ संचलन

(नगर संवाददाता)

नागौर, 26 मार्च। संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर झोरड़ा गांव की गलियों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा पथ संचलन का आयोजन किया। इस अवसर पर हरिराम बाबा मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में संघ के नागौर विभाग प्रचार प्रमुख अजय शर्मा ने बताया कि संघ शताब्दी वर्ष में समाज में सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, स्वत्व का बोध, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक शिष्टाचार के पंच परिवर्तन करेगा। उससे पहले शर्मा ने 1925 में संघ की स्थापना की पृष्ठभूमि बताई। उन्होंने बताया कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को संघ संस्थापक डॉ. हेडगेवार का जन्मोत्सव भी है। उन्होंने सभी से भारतीय जीवन शैली को अपनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर हनुमान पुजारी, भीयादास साद, खेराज रेवाड़, रमेश दाधिच, किशन दान चारण, मुकेश दाधिच, जगदीश रेवाड़, कानदान चारण उपस्थित थे।

नागौर में चढ़ने लगा पारा

(नगर संवाददाता)

नागौर, 26 मार्च। जिले में मार्च महीने में ही पारा 40 डिग्री के पार पहुंचने की आशंका है। तापमान 39 डिग्री दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 20 डिग्री रहा। अब सुबह और शाम के समय भी गर्मी का असर बढ़ने लगा है। फिलहाल 48 घंटे तक तापमान में ज्यादा बदलाव होने की कोई संभावना नहीं है। नागौर के गवर्नमेंट एग्रीकल्चर कॉलेज स्थित वेदर स्टेशन पर सुबह न्यूनतम तापमान 20 डिग्री दर्ज किया। न्यूनतम तापमान 20 डिग्री और दिन में अधिकतम तापमान 39 डिग्री दर्ज किया गया था। पूरे दिन मौसम साफ बना रहा। मौसम एक्सपर्ट्स की मानें तो प्रदेश में इस सप्ताह मौसम ड्राई रहने का अनुमान है। हालांकि एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस के प्रभाव से 25 से 27 मार्च को पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में तेज सतही हवाएं 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने और हल्के बादल छाए रहने की संभावना है। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार फिलहाल नागौर के मौसम में बदलाव होने की संभावना कम है। आगामी 48 घंटे के दौरान तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं होगा। लेकिन इसके बाद उत्तरी हवा चलने से तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट संभव है।

जलदाय विभाग की टीम ने कनेक्शन काटकर की वसूली

(नगर संवाददाता)

नागौर, 26 मार्च। जिले के मेड़ता में जलदाय विभाग यानी जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग लगातार एक्शन में है। विभाग ने अवैध रूप से पानी का कनेक्शन लेने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 7 अवैध कनेक्शन हटाए है। साथ ही 5 बकायादार उपभोक्ताओं के भी पानी के कनेक्शन काटे है। इस कार्रवाई के साथ-साथ विभाग ने 1 लाख 55 हजार रुपए की वसूली भी की है। पीएचईडी के

सहायक अभियंता देवेंद्र सिंह, कनिष्ठ अभियंता शेर सिंह, अतिरिक्त प्रशानिक अधिकारी रामदेव, जयचंद, मांगाराम, कैलाश, बीरमाराम, महेंद्र, राजेश की टीम ने शहर के खेरतियों का मौहल्ले, व्यापारियों का मौहल्ला, काजी चौक में अवैध कनेक्शन एवं बकाया राजस्व वसूली अभियान के तहत कार्रवाई की। टीम ने 7 अवैध कनेक्शन भी काटे हैं। अब इनके खिलाफ पुलिस थाने में रिपोर्ट भी दी जाएगी। इसके साथ ही अधिक राजस्व बकायादार 5 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए और मौके पर 1 लाख 55 हजार रुपए की वसूली की गई। सहायक अभियंता ने बताया कि मार्च क्लोजिंग के मद्देनजर बकाया राशि वसूली के लक्ष्य पूर्ण करने को लेकर लगातार कार्रवाई की जा रही है और आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

नागौर की व्यास कॉलोनी में डीजे संग घुमाया गुड़ल्या

(नगर संवाददाता)

नागौर, 26 मार्च। राजस्थानी लोक पर्व गणगौर को लेकर इन दिनों महिलाओं व युवतियों में उत्साह चढ़ने लगा है।

हर तरफ रंग-बिरंगे परिधानों में सजी महिलाएं गणगौर की तैयारियों के लिए खरीददारी करते हुए और ईशर-गणगौर की मान-मनुहार करती नजर आ रही हैं। गली-मोहल्लों में ईशर-गणगौर को गुडल्या निकाला जा रहा है। नागौर के माताजी पार्क में गणगौर के उत्साह में महिलाएं व युवतियां।

नागौर की व्यास कॉलोनी में शिव शक्ति महिला मंडल के सौजन्य से ईशर-गौर-कानजी को नगर भ्रमण करवाया गया। महिलाएं व युवतियां हाथों में ईशर-गणगौर को लेकर व्यासेश्वर महादेव से हनुमान मंदिर स्थित माताजी पार्क तक डीजे के साथ पहुंचीं। रास्ते में गौरानियों की मान-मनुहार की गई। माताजी पार्क में महिलाओं ने ईशर-गणगौर व कानजी का पूजन किया और मीठा जिमाया। इस मौके पर तपस्या ओझा, संतोष गोदारा, सुनीता कंवर, मंजू शर्मा, मधु शर्मा, अनुराधा गौड़, मंजू सारस्वत समेत काफी संख्या में महिलाएं व युवतियां मौजूद थीं।

आज का दिन

चैत्र कृष्ण पक्ष द्वादशी, विक्रम सं. 2081, शक संवत् 1946, हिजरी 1446, तद्नुसार अंग्रेजी दिनांक 26 मार्च, सन् 2025 ईस्वी। वार- बुधवार, सूर्य-उत्तरायण, ऋतु-शिशिर

सम्पादकीय

हास्य-व्यंग्य को बर्दाश्त की राजनीति की क्षमता पर सवाल

स्टैंडअप कमीडियन कुणाल कामरा के शो के बाद जिस तरह से गुस्साए शिवसैनिकों ने आयोजनस्थल में तोड़फोड़ मचाई और उन्हें धमकियां दे रहे हैं, वह न केवल कानून-व्यवस्था के हालात पर प्रतिकूल टिप्पणी है बल्कि हास्य-व्यंग्य को बर्दाश्त करने की राजनीति की क्षमता पर भी सवाल उठाता है। अफसोस की बात है कि देश में ऐसे मामले बढ़ते जा रहे हैं, जिनमें आहत होती भावनाएं अभिव्यक्ति की आजादी पर भारी पड़ जाती हैं। जहां तक मुंबई पुलिस की इस घटना पर प्रतिक्रिया का सवाल है तो यह अच्छी बात है कि उसने दोनों पक्षों की शिकायतों पर ध्यान दिया है। कमीडियन कुणाल कामरा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है तो तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है। लेकिन यह पहला ही कदम है। आगे उसकी जांच किस तरह से आगे बढ़ती है और दोनों पक्षों के खिलाफ कार्रवाई कैसी दिशा लेती है, यह देखना बाकी है। इस पूरे प्रकरण का एक निराशाजनक नतीजा मुंबई के खार स्थित हैबिटेट कॉमिडी क्लब बंद किए जाने की घोषणा के रूप में सामने आया। क्लब के मालिकों के मुताबिक, जब भी किसी शो को लेकर विवाद होता है तो उन्हें टारगेट किया जाने लगता है। हालांकि शो के दौरान जो भी परफॉरमेंस होती है, उसके कंटेंट से उनका कोई लेना-देना नहीं होता। बहरहाल, इस तरह के क्लब का बंद होना कला और संस्कृति की उन्नत चेतना के लिए जाने जाने वाले महाराष्ट्र जैसे राज्य की छवि के लिए नुकसानदेह है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मामले में शो के कंटेंट पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि राज्य में कॉमिडी करने की स्वतंत्रता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कई कुछ भी बोले। इसमें दो राय नहीं कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी आती है। और हर कोई अपने बोले शब्दों के लिए कानून के आगे जिम्मेदार है। लेकिन क्या यह जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए किसी ग्रुप को कानून अपने हाथ में लेने दिया जाएगा? खबरों के मुताबिक, इस शो में निशाना महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री और शिवसेना के लीडर एकनाथ शिंदे को बनाया गया था। शो में कही गई बातों से सहमत होना कतई जरूरी नहीं है। लेकिन आखिरकार वह एक हंसी-मजाक का शो था और उसे इसी नजर से देखा जाना चाहिए।

कमीडियन कुणाल कामरा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है तो तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है। लेकिन यह पहला ही कदम है। आगे उसकी जांच किस तरह से आगे बढ़ती है और दोनों पक्षों के खिलाफ कार्रवाई कैसी दिशा लेती है, यह देखना बाकी है।

विदेशी अखबारों से

सरकार के खिलाफ मुकदमे करने वाले वकीलों पर होगी कार्रवाई

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को उन वकीलों और कानूनी फर्मों के आचरण की समीक्षा करने का निर्देश दिया, जिन्होंने प्रशासन के खिलाफ़ तुच्छ मुकदमे दायर किए हैं या आव्रजन पहल को रोकने का प्रयास किया है, सीएनएन ने रिपोर्ट किया। ट्रम्प ने उन वकीलों के खिलाफ पिछली शिकायतों को फिर से हवा दी, जिन्होंने उनका विरोध किया था और उन व्यक्तियों और फर्मों को उनकी सुरक्षा मंजूरी रद्द करके और उनके पास मौजूद किसी भी संघीय अनुबंध को समाप्त करके दंडित करने का वचन दिया। इस कदम ने अमेरिका में कानूनी समुदाय पर ट्रम्प की कार्रवाई को और व्यापक बना दिया। शनिवार को व्हाइट हाउस द्वारा जारी एक राष्ट्रपति ज्ञापन में ट्रम्प ने कहा कि बहुत से वकीलों और कानूनी फर्मों ने संघीय सरकार के खिलाफ मुकदमा चलाने या निराधार पक्षपातपूर्ण हमलों को आगे बढ़ाने में इन आवश्यकताओं को लंबे समय से अनदेखा किया है। बॉन्डी को निर्देश दिया गया है कि उन वकीलों और कानूनी फर्मों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने की मांग करें जो संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ या संयुक्त राज्य अमेरिका के कार्यकारी विभागों और एजेंसियों के समक्ष मामलों में तुच्छ, अनुचित और परेशान करने वाले मुकदमेबाजी में संलग्न हैं। जनवरी के आखिर से ट्रम्प प्रशासन पर 100 से ज़्यादा मुकदमे दर्ज हुए हैं। हालांकि, मेमो का असली असर अनिश्चित बना हुआ है, क्योंकि इसकी अस्पष्ट भाषा में यह स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं किया गया है कि किस तरह का आचरण वकीलों या फर्मों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई को उचित ठहराएगा।

प्रेरक प्रसंग

राम भजो

कुंदन काका एक फैक्ट्री में पेड़ काटने का काम करते थे. अधिकतर मजदूर उनसे जलते थे। एक दिन एक नौजवान युवक मजदूर सामने आया और बोला- मालिक! आप हमेशा इन्ही काका की तारीफ़ करते हैं। इस पर मालिक बोले अगर ऐसा ही है तो क्यों न कल पेड़ काटने की प्रतियोगिता हो जाए। अगले दिन प्रतियोगिता शुरू हुई। मजदूर बाकी दिनों की तुलना में जल्दी-जल्दी हाथ चला रहे थे। सबने देखा कि शुरू के आधा दिन बीतने तक काका ने 4-5 ही पेड़ काटे थे। ऊपर से रोज की तरह वे अपने समय पर एक कमरे में चले गए जहां वो रोज आराम करने जाया करते थे। अब मालिक ने पेड़ों की गिनती शुरू की। बाकी मजदूर तो कुछ ख़ास नहीं कर पाए। उन्होंने 11 पेड़ काटे। अब काका के काटे पेड़ों की गिनती होने लगी तो आखिरी पेड़ बारहवां था। तभी हारे हुए मजदूर ने पूछा- काका, मैं अपनी हार मानता हूँ। लेकिन यह तो बताइये कि आप में ताकत भी कम है और ऊपर से आप काम के बीच आधे घंटे विश्राम भी करते हैं, फिर भी आप सबसे अधिक पेड़ कैसे काट लेते हैं? इस पर काका बोले- बेटा सीधा सा कारण है। जब मैं विश्राम करने जाता हूं तो उस दौरान कुल्हाड़ी की धार तेज कर लेता हूं, जिससे बाकी समय में मैं कम मेहनत के साथ तुम लोगों से अधिक पेड़ काट पाता हूं। सभी मजदूर आश्चर्य में थे कि सिर्फ थोड़ी देर धार तेज करने से कितना फर्क पड़ जाता है। इसी प्रकार जब भी आराम का समय मिले बेफिक्र ना बन जाएं बल्कि उस समय को प्रभु स्मरण में लगाए, जिससे कठिन समय मे भी आप उतने ही सार्थक बने रहें।

छावा विवाद से किसका नफा, किसका नुकसान

उमेश चतुर्वेदी

समाजशास्त्री और चुनाव शास्त्री मानते हैं कि धार्मिक ध्रुवीकरण का फायदा राजनीति के उस हिस्से को होता है, जो मध्यमार्गी नहीं होती। उन्हें इसमें एक और तथ्य भी जोड़ देना चाहिए कि ध्रुवीकरण का फायदा राष्ट्रविरोधी ताकतों को भी मिलता है। तीन सौ साल पुराने शहर नागपुर का दंगों की आग में झुलसना तो यही बताता है। यह भी ध्यान देने की बात है कि नागपुर में अब तक कभी दंगा नहीं हुआ। बाबरी ध्वंस के बाद महाराष्ट्र के कई इलाके जब सुलग रहे थे, तब भी नागपुर शांत था। लेकिन औरंगजेब के चरित्र पर जब 'छावा' फिल्म ने सवाल उठाए तो नागपुर जल उठा।

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म 'छावा' फिल्म के चलते मुगल बादशाह औरंगजेब इन दिनों चर्चा में है। औरंगजेब भी चर्चा में तब आया, जब मुंबई के एक विधायक अबू आजमी ने उसकी प्रशंसा कर दी। इसके बाद विवाद इतना बढ़ा कि महाराष्ट्र से लेकर देश की राजनीति सुलगने लगी। वामपंथी और राष्ट्रवादीय ऐतिहासिक दृष्टि तो पहले से ही औरंगजेब को लेकर बंटी हुई है, ऐसे में राजनीति नहीं बंटती तो हैरत ही होती। राजनीति के इस बंटवारे पर निगाह जमाए बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका मिला और नागपुर में दंगा फैल गया। अब दंगे की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, पता चल रहा है कि औरंगजेब को लेकर जैसे-जैसे विवाद बढ़ा, धार्मिक आधार पर वैचारिक ध्रुवीकरण बढ़ा। इसने सामाजिक समरसता के पथ के नीचे जैसे बारूद बिछा दी। इस बारूद के इंतजार में बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका माकूल लगा और उन्होंने अफवाह की माचिस धीरे से जलाकर बारूद के ढेर पर फेंक दी। नागपुर के दंगों में बांग्लादेशी कनेक्शन के संकेत तो यही हैं। समाजशास्त्री और चुनाव शास्त्री मानते हैं कि धार्मिक ध्रुवीकरण का फायदा राजनीति के उस हिस्से को होता है, जो मध्यमार्गी नहीं होती। उन्हें इसमें एक और तथ्य भी जोड़ देना चाहिए कि ध्रुवीकरण का फायदा राष्ट्रविरोधी ताकतों को भी मिलता है। तीन सौ साल पुराने शहर नागपुर का दंगों की आग में झुलसना तो यही बताता है। यह भी ध्यान देने की बात है कि नागपुर में अब तक कभी दंगा नहीं हुआ। बाबरी ध्वंस के बाद महाराष्ट्र के कई इलाके जब सुलग रहे थे, तब भी नागपुर शांत था। लेकिन औरंगजेब के चरित्र पर जब 'छावा' फिल्म ने सवाल उठाए तो नागपुर जल उठा।

औरंगजेब महान था या क्रूर, इसे लेकर इतिहासकार कभी एकमत नहीं हो सकते। वैसे इतिहास लेखन की जो नई धाराएं हैं, उनमें किसी भी ऐतिहासिक शख्सियत का सम्यक मूल्यांकन नहीं होता। बल्कि इतिहासकार अपने-अपने वैचारिक खेमे के लिहाज से अपनी सरपरस्त राजनीतिक धारा को फायदा पहुंचाने को लेकर ऐतिहासिक चरित्रों को पेश करता है। औरंगजेब के चरित्र को लेकर लिखे गए इतिहास की भी यही कहानी है। यह बताने की जरूरत नहीं कि औरंगजेब को वामपंथी इतिहासकार महान शासक बताते रहे हैं। स्कूली पाठ्यक्रमों में औरंगजेब के बारे में पढ़ाया ही जाता रहा है कि बादशाह होने के बावजूद वह टोपी सिलकर और कुरान बेचकर अपना खर्च चलाता था। इस तथ्य को स्कूली स्तर से ही भारत की दो पीढ़ियों में इस कदर घोलकर पिला दिया गया है, उसके अन्य क्रूर कार्यों की छाप कहीं नेपथ्य में चली जाती है। बेशक औरंगजेब कुरान बेचकर और टोपी सिलकर अपना दैनंदिन खर्च चलाता था, लेकिन यह भी सच है कि उसने सल्तनत अपने नाम करने के लिए अपने ही भाई दाराशिकोह की हत्या करा दी थी, अपने ही पिता शाहजहां और माता को आगरा के किले में कैद कर रखा था। औरंगजेब के खाते में अपने शासन के दौरान हिंदुओं पर तरह-तरह के अत्याचार भी दर्ज हैं। नागपुर के दंगों को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र

फड़णवीस ने जो कहा है, उसे लेकर भी विवाद हो रहा है। फड़णवीस ने कहा है कि छावा फिल्म को लेकर मुस्लिम समुदाय में गुस्सा था। वैसे नागपुर में अफवाह फैलाई गई कि कुरान को जलाया जा रहा है। इसके बाद नागपुर का मुस्लिम समुदाय आक्रामक हो उठा और देखते ही देखते संतरा उत्पादन इलाके की राजधानी के रूप में विख्यात नागपुर धधक उठा। जब से शिवसेना के रास्ते बीजेपी से अलग हुए हैं, तब से उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना बीजेपी और उसके मराठी अगुआ देवेंद्र फड़णवीस पर हमले और तंज कसने का कोई मौका नहीं छोड़ती। मराठी मानुष की नजर में हिंदू हृदय सम्राट रहे बाला साहब देवरस की वैचारिक उत्तराधिकारी होने का दावा करने वाली शिवसेना के लिए देवेंद्र फड़णवीस का बयान बढ़िया अवसर लगा। उसने देवेंद्र फड़णवीस पर हमला बोल दिया। उद्धव की शिवसेना इस बहाने देवेंद्र को यह साबित करने में जुटी रही कि दरअसल वे सिर्फ हिंदुओं के वोट के लिए हिंदुत्व की राजनीति करते हैं, अलबत्ता उनका नजरिया दूसरा है। यह बात और है कि बीजेपी की ओर से शिवसेना के बयानों पर वैसी प्रतिक्रियाएं नहीं आई हैं, जैसी उसकी प्रतिक्रिया अबू आजमी के बयान के बाद आई थी, जिसमें आजमी ने औरंगजेब की प्रशंसा की थी।

अगर हम मान लेते हैं कि छावा की वजह से मुस्लिम समुदाय में गुस्सा था, क्योंकि इस फिल्म में औरंगजेब के चरित्र को उनके जेहनी छवि से अलग रूप में पेश किया गया है, तो इसका मतलब यह है कि फिल्म किताब की तुलना में कहीं ज्यादा प्रभावी माध्यम है। यह फिल्म मराठी के मशहूर उपन्यासकार शिवाजी सावंत के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है। दिलचस्प यह है कि यह उपन्यास करीब 46 साल पहले 1979 में प्रकाशित हुआ था, जिसका हिंदी समेत कई अन्य भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। छावा का मतलब बच्चा या बेटा होता है। यह उपन्यास शिवाजी के बेटे संभाजी के जीवन पर केंद्रित है। इस उपन्यास में छत्रपति संभाजी के साथ औरंगजेब के युद्ध और मराठा साम्राज्य पर औरंगजेब के अत्याचार की कहानियां हैं। फिल्म में इसे ही उभारा गया है।

वैसे एक सवाल यह भी उठता है कि ऐतिहासिक चरित्रों को लेकर कोई समुदाय इस कदर क्यों खुद की भावनाओं को जोड़ लेता है? औरंगजेब के चरित्र को लेकर इतना गुस्से में भरने की जरूरत ही क्यों पड़े कि अपने आज के पड़ोसियों के साथ विवाद खड़ा करना पड़े। अगर किसी चरित्र का ऐतिहासिक स्वरूप क्रूरता से भरा है तो क्रूरता का बचाव ही क्यों करना? सवाल राजनीति से भी पूछे जा सकते हैं कि राजनीतिक लाभ-हानि के हिसाब को कब परे रखकर ऐतिहासिक चरित्रों का समग्रता से मूल्यांकन करेगी? सवाल यह भी उठ सकता है कि क्या हम इतिहास को लेकर रोज-रोज के अपने रिश्तों को इतना बिगाड़ लेंगे कि हम वर्तमान में अपने साथियों और पड़ोसियों के साथ सुकून के साथ बैठ नहीं सकें, दो बोल बोल नहीं सकें। सवाल इतिहासकारों से भी पूछा जाना चाहिए कि वे कब अपनी वैचारिक खेमेबाजी से उठकर किसी ऐतिहासिक घटना और चरित्र का आकलन करेंगे और कब तक अपने वैचारिक आकाओं के राजनीतिक मोहरे बनते रहेंगे?

इन सबमें दिलचस्प यह है कि छावा फिल्म के जरिए फिल्मकार की मोटी कमाई हो रही है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह फिल्म साढ़े सात सौ करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर चुकी थी। यानी विवादों ने फिल्म को आर्थिक फायदा खूब पहुंचाया है। इस पूरे विवाद में अगर नुकसान हुआ है तो सिर्फ और सिर्फ भारत के लोक का, जो लोकतंत्र का आधार है। जो आपस में ही लड़ने को उतारू है। उसे ऐतिहासिक चरित्रों को लेकर अपनी खेमेबंदी अपने वैचारिक आधारों की बुनियाद पर खड़ी करने की बजाय समग्रता में करनी होगी। अन्यथा उसकी भावनाओं के जरिए कारोबार भी होगा और राजनीति भी होती रहेगी।

न्यायपूर्ण परिसीमन की लड़ाई!

राजेंद्र शर्मा

केंद्र सरकार के, शिक्षा के लिए तमिलनाडु राज्य के फंड उल्लेखनीय पैमाने पर रोकने ने इस टकराव को तेज किया और केंद्र सरकार के इसके ऐलान ने इस टकराव को विस्फोटक बिंदु पर पहुंचा दिया कि 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति और विशेष रूप से त्रिभाषा फार्मूले को जब तक तमिलनाडु लागू नहीं करता है, उसको रुका हुआ फंड नहीं दिया जाएगा। तमिलनाडु सरकार ने, जो त्रिभाषा फार्मूले को तमिलनाडु समेत गैर-हिंदीभाषी इलाके पर हिंदी थोपने की कोशिश के रूप में देखती है, न सिर्फ फंड रोकने के डंडे के बल पर केंद्र की शिक्षा नीति तथा भाषा नीति थोपने की इन कोशिशों को ठुकरा दिया बल्कि अवज्ञापूर्ण रुख अपनाते हुए, केंद्र की इस मनमानी का हर कीमत पर विरोध करने का भी ऐलान कर दिया।

यह समस्या का आदर्श समाधान नहीं है। सत्ताधारी पार्टी का कुल मिलाकर जो रुख नजर आता है, उसके चलते ही विपक्ष को, एक बचाव उपाय के रूप में ही यह रुख अपनाना पड़ा लगता है। वर्ना होना तो यही चाहिए था कि इस दिशा में किसी भी तरह के कदम उठाने से पहले, केंद्र सरकार सभी राजनीतिक शक्तियों के साथ खुली चर्चा कर, गैर-हिंदी राज्यों की चिंताओं का समाधान खोजती। है रानी की बात नहीं है कि नरेंद्र मोदी सरकार ने अपनी करनियों और अकरनियों से इस देश की राजनीतिक व्यवस्था में उत्तर और दक्षिण के पुराने विभाजन को फिर से भड़का दिया है। जैसाकि हमने इससे पहले एक लेख में जिक्र किया था, इस विभाजन को बढ़ाने का काम मौजूदा केंद्र सरकार की भाषा नीति और शिक्षा रीति-नीति ने किया है। केंद्र सरकार के, शिक्षा के लिए तमिलनाडु राज्य के फंड उल्लेखनीय पैमाने पर रोकने ने इस टकराव को तेज किया और केंद्र सरकार के इसके ऐलान ने इस टकराव को विस्फोटक बिंदु पर पहुंचा दिया कि 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति और विशेष रूप से त्रिभाषा फार्मूले को जब तक तमिलनाडु लागू नहीं करता है, उसको रुका हुआ फंड नहीं दिया जाएगा। तमिलनाडु सरकार ने, जो त्रिभाषा फार्मूले को तमिलनाडु समेत गैर-हिंदीभाषी इलाके पर हिंदी थोपने की कोशिश के रूप में देखती है, न सिर्फ फंड रोकने के डंडे के बल पर केंद्र की शिक्षा नीति तथा भाषा नीति थोपने की इन कोशिशों को ठुकरा दिया बल्कि अवज्ञापूर्ण रुख अपनाते हुए, केंद्र की इस मनमानी का हर कीमत पर विरोध करने का भी ऐलान कर दिया।

इसी दौरान, मोदी सरकार के इरादों को लेकर गंभीर आशंकाओं से भड़के एक और मुद्दे ने, उत्तर-दक्षिण के विवाद को और उग्र बना दिया है। यह मुद्दा है, आने वाले समय में होने वाली जनगणना के बाद, होने वाले परिसीमन या जन-प्रतिनिधित्व की इकाई के रूप में लोकसभाई क्षेत्रों के पुनर्सीमांकन का। जन प्रतिनिधित्व की व्यवस्था में संतुलन बनाए रखने के लिए आवश्यक समायोजन की व्यवस्था करते हुए, देश के संविधान में इसका प्रावधान किया गया था कि हरेक दस साला जनगणना के बाद, उसके आधार पर संसदीय क्षेत्रों का पुनर्सीमांकन किया जाए, ताकि इस दौरान आए जनसांख्यिकीय बदलावों को हिसाब में लिया जा सके। इन बदलावों के लिए दो अलग-अलग स्तरों पर, परिसीमन के जरिए परिवर्तन किए जाते हैं। राज्यों के स्तर पर यानी राज्यों के अंदर परिवर्तन और राज्यों के बीच में परिवर्तन। इसी आधार पर, दशकीय जनगणना को आधार बनाकर, पहला परिसीमन 1952 में हुआ था और उसके बाद 1963 तथा 1973 में परिसीमन हुआ था और इसके जरिए लोकसभा की सीटों की संख्या क्रमशः 494, फिर 522 और फिर 543 तय की गयी थी। बहरहाल, 1976 में एक संविधान संशोधन के जरिए, परिसीमन की प्रक्रिया को 25 साल के लिए स्थगित कर दिया गया और लोकसभा की सीटों की संख्या को तब तक के जहां का तहां रोक दिया गया। इसके पीछे विचार यह था कि जिन राज्यों में आबादी ज्यादा बढ़ रही थी, उन्हें इसी के बल पर लोकसभा सीटों की संख्या में बढ़ोतरी के जरिए प्रोत्साहित नहीं किया जाए। बहरहाल, इसके बाद यानी 2001 की जनगणना के बाद भी दक्षिण भारतीय राज्यों के कड़े विरोध के सामने, अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार को भी सीटों की कुल संख्या के लिहाज से परिसीमन पच्चीस साल और यानी 2026 तक रोके रखने और सीटों की संख्या जहां की तहां बनाए रखने का कदम उठाना पड़ा था। इसके बाद, परिसीमन आयोग का गठन तो किया गया, लेकिन उसे जनगणना के आंकड़ों के आधार पर राज्यों की सीमाओं के अंदर ही सीमित परिसीमन करना था।

2026 के बाद होने वाले इसी पूर्ण परिसीमन ने दक्षिण भारतीय राज्यों और अन्य गैर-हिंदीभाषी राज्यों की भी इसकी आशंकाओं को भड़का दिया है कि यह परिसीमन, लोकसभा की उनकी सीटों की संख्या के रूप में, उनका राजनीतिक वजन घटाने का औजार बनने जा रहा है। इसका कारण आसानी से समझा जा सकता है। आबादी में वृद्धि की दर कम करने के मामले में, दक्षिण भारतीय राज्यों और उत्तर भारतीय राज्यों के बीच अब भी बहुत भारी अंतर बना हुआ है। यह अंतर बेशक घटा है, फिर भी उल्लेखनीय रूप से बड़ा बना हुआ है और इन पचास वर्षों में आबादी वृद्धि दरों से आबादियों के बीच का फासला बहुत ज्यादा बढ़ गया है।

ऐसे हालात में यदि आबादी के आधार पर ही परिसीमन किया जाता है, तो संसदीय प्रतिनिधित्व के अनुपात के लिहाज से गैर-हिंदी प्रदेशों का राजनीतिक वजन उल्लेखनीय तरीके से घट जाएगा और हिंदी भाषी क्षेत्र का राजनीतिक वजन उसी अनुपात में बढ़ जाएगा। ऐसा होने में आज केंद्र में सत्ता में बैठे संघ-भाजपा को राजनीतिक फायदा नजर आ रहा है क्योंकि गैर-हिंदी क्षेत्र ही उनका मजबूत राजनीतिक गढ़ है, जबकि खासतौर पर दक्षिणी भारत में उनकी ताकत बहुत ज्यादा नहीं है। इस संबंध में वर्तमान सत्ताधारियों की नीयत को लेकर संदेह इसलिए और भी बढ़ जाते हैं कि उनके पसंदीदा प्रोजैक्ट के रूप में बनाये गए नये संसद भवन में, जिसकी संकल्पना में किसी व्यापक राजनीतिक परामर्श का कोई दखल नहीं था, भविष्यदृष्टि के नाम पर लोकसभा में 800 से ज्यादा सीटों की व्यवस्था रखी गयी है। यह इसका स्पष्ट संकेत करता है कि वर्तमान सरकार, परिसीमन के फलस्वरूप लोकसभा की सीटों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होने का अनुमान लगाकर चल रही है। और जैसाकि हमने पीछे कहा, आबादी पर आधारित परिसीमन के जरिए सीटों की बढ़ोतरी का अर्थ होगा, हिंदी-भाषी क्षेत्र का संसदीय वजन उल्लेखनीय रूप से बढ़ जाना और विशेष रूप से दक्षिण का वजन उसी अनुपात में घट जाना। इस सिलसिले में विशेष रूप से दक्षिण भारतीय राज्यों की गंभीर आशंकाओं तथा चिंताओं को एक हद तक शांत करने की कोशिश में, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कुछ ही हफ्ते पहले, तमिलनाडु के अपने एक दौरे के क्रम में यह आश्वासन दिया था कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि परिसीमन से किसी भी राज्य की सीटें घटेंगी नहीं बल्कि सभी की सीटों में बढ़ोतरी होगी।

हास्य-व्यंग्य

आलोक पुराणिक

डांस, धमाल, स्टार और क्रिकेट भी...

आ लिया जी आईपीएल आ लिया।

आईपीएल है क्या जी है।

आईपीएल डांस है, चीयर लीडर है, धमाल है, ग्लैमर है, नोट भर भर हैं, चकर मचर है, डांस धमाल का शो खास भी है, सिद्धू की कमेंट्रीनुमा बकवास भी है। बवाल है, सवाल है, आईपीएल बहुत कुछ है। शो में दम है, बहुत रकम है।

ओके ओके हमने तो सुना है कि आईपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट है।

जी थोडा बहुत क्रिकेट भी होता है, मतलब हो जाता है। पर क्रिकेट ऐसा होता है कि जिसका कोई आफिशियल रिकार्ड ना रखा जाता है। आफिशियल रिकार्ड में आईपीएल की कोई वैल्यू नहीं होती।

अजी छोड़िये, आफिशियल की क्या खाक वैल्यू होती है। हमारे परिचय में है पुलिस में एक कांस्टेबिल हैं, आफिशियल सेलरी पच्चीस हजार रुपये है, अनआफिशियल ऊपर से वह ढाई लाख कमाते हैं। इसकी वैल्यू है। आफिशियल को पूछता कौन है। पाकिस्तान के आफिशियल प्राइम मिनिस्टर शहबाज शरीफ हैं, पर उनकी वैल्यू क्या है कौन पूछता है उनको।

ओके तो हम मान सकते हैं कि आईपीएल क्रिकेट का आफिशियल टूर्नामेंट नहीं है फिर इसमें दुनिया भर के वड्डे वड्डे प्लेयर क्यों खेलते हैं। जब आईपीएल के रिकार्डों की आफिशियल वैल्यू है ही नहीं, तो फिर वड्डे वड्डे प्लेयर क्यों खेलते हैं आईपीएल में।

प्लेयर रिकार्डों के लिए नहीं पैसे के लिए खेलते हैं। पैसे बहुत हैं आईपीएल में, रिकार्ड विकार्ड की चिंता किसी को नहीं हैं। रिकार्ड से क्या होता है, पैसों से सब कुछ होता है। खिलाड़ी रिकार्ड के लिए नहीं पैसे के लिए खेलते हैं। पैसों के लिए ही चीयर लीडर डांस करती हैं। अरे कैसी बात कर रहे हैं, चीयर लीडर डांसरों को खिलाड़ियों के लेवल पर रख रहे हैं। डांस अलग कला है, क्रिकेट अलग खेल है। चीयर लीडर की कला अलग है, डांस समारोह में डांस की कला का प्रदर्शन होता है, आईपीएल अगर क्रिकेट का टूर्नामेंट है, तो इसमें क्रिकेट की बात होनी चाहिए, यह चीयर लीडर डांस का जिक्र क्यों है।

देखो जी मजमा जुटाना है, तो डांस भी होगा और सर्कस भी होगा। बंदर डांस भी हो सकता है, पब्लिक आनी चाहिए। पब्लिक आयेगी तो पैसा बनेगा। पैसा है, तो क्रिकेट है।

अरे क्या बात कर रहे हैं, पैसा है तो क्रिकेट है। क्रिकेट कला है, क्रिकेट को ऐसे मत कहिये। क्रिकेट को सिर्फ पैसे से ना जोड़िये, क्रिकेट से पैसा आ जाता है, यह बात अलग है, पर क्रिकेट का मतलब सिर्फ पैसा नहीं है।

पुणे बिली जीन किंग कप एशिया-ओसनिया ग्रुप-1 टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा

पुणे। पुणे देश के टेनिस इतिहास में पहली बार प्रतिष्ठित बिली जीन किंग कप एशिया-ओसनिया ग्रुप-1 टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा, जबकि महाराष्ट्र 25 साल के अंतराल के बाद 8 से 12 अप्रैल तक म्हालुंगे बालेवाड़ी टेनिस कॉम्प्लेक्स में इस आयोजन की मेजबानी करेगा। न्यूजीलैंड, चीनी ताइपे, हांगकांग, कोरिया और थाईलैंड सहित एशिया ओसनिया क्षेत्र की छह टीमें, मेजबान भारत के अलावा, राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेलेंगी, जिसमें सभी मुकाबलों में तीन मैच होंगे - दो एकल और उसके बाद युगल। मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए और महा ओपन एटीपी चैलेंजर की सफलता के बाद, एआईटीए और पीएमडीटीए के सहयोग से एमएसएलटीए उच्चतम स्तर का एक और आयोजन पाकर रोमांचित है। अय्यर ने कहा, एमएसएलटीए ने पुणे में लगभग सभी बड़े टेनिस आयोजनों की मेजबानी की है, लेकिन हमने कभी भी बीकेजेसी या फेड कप की मेजबानी नहीं की है। एआईटीए और एमएसएलटीए ने इस आयोजन के लिए बोली लगाई है, ताकि लड़कियों के लिए घरेलू परिस्थितियों में उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना आसान हो सके। घरेलू समर्थन और परिचित परिस्थितियों के साथ, भारतीय टीम प्रतियोगिता में अपनी पिछली सफलता को दोहराने और क्षेत्र से उपलब्ध दो योग्यता स्थानों में से एक के लिए मजबूत बोली लगाने का लक्ष्य रखेगी। अंकिता रैना की अगुआई वाली भारतीय महिला टेनिस टीम में सहजा यमलापल्ली, श्रीवल्ली भामिदीपती और वैदेही चौधरी (सभी 300 और 358 के बीच रैंक की हैं) भी शामिल हैं।

अनुभवी युगल विशेषज्ञ प्रार्थना थोम्बरे (युगल में 137 रैंक की हैं), जो हाल ही में डब्ल्यूटीए मुंबई ओपन में उपविजेता रहीं, के शामिल होने से कप्तान विशाल उप्पल को टूर्नामेंट में जाने के लिए कई रणनीतिक विकल्प मिलते हैं।

जापान, चीन और कजाकिस्तान जैसी कुछ शक्तिशाली टीमों की अनुपस्थिति के बावजूद, भारतीय टीम को न्यूजीलैंड, थाईलैंड, कोरिया, ताइवान और हांगकांग की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। न्यूजीलैंड की लुलु सन, जो वर्तमान में विश्व में 44वें स्थान पर हैं, निस्संदेह प्रतियोगिता की मुख्य खिलाड़ी हैं। उन्हें अपनी टीम की साथी मोनिक बैरी और आइशी दास का समर्थन प्राप्त होगा, क्योंकि वे एक मजबूत छाप छोड़ने का लक्ष्य रखती हैं। इस बीच, थाईलैंड में मननचया सवांगकेव (111) और लैनलाना तरारुडी (173) के रूप में दो उच्च रैंक वाली एकल खिलाड़ी हैं, साथ ही थासापोर्न नाकलो, पैचरिन चीपचंदेज और अनुभवी युगल विशेषज्ञ पींगटार्न प्लिप्यूच की एक अच्छी टीम है।

शरीक खान ने जीती 36वीं वीवा सीनियर मिस्टर चंडीगढ़ बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप

चंडीगढ़। चंडीगढ़ एमेच्योर बॉडीबिल्डिंग एसोसिएशन द्वारा रानी लक्ष्मी भवन महिला ऑडिटोरियम सेक्टर 38 चंडीगढ़ में 23 मार्च 2025 को आयोजित बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में 100 से अधिक बॉडीबिल्डरों ने भाग लिया। हितेश छिकारा ने 33वीं जूनियर मिस्टर चंडीगढ़ का खिताब जीता और उन्हें 32 इंच की एलईडी टीवी से सम्मानित किया गया।

विमन और मेन फिजिक डिवीजन में क्रमशः नंदिका और कृष्ण सिंह विजेता घोषित किए गए। दोनों को 42 इंच की एलईडी टीवी, 5,100 रुपये का नकद पुरस्कार और डबल बेड गद्दे दिए गए।

मास्टर श्रेणी में सुमित को ओवरऑल चैंपियन का ताज पहनाया गया और उन्हें 5,100 रुपए के नकद पुरस्कार के साथ 42 इंच की एलईडी टीवी से सम्मानित किया गया।

सांसद मनीष तिवारी इस मौके पर मुख्य अतिथि थे और उन्होंने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

व्यापार समाचार

मुथूट फाइनेंस को एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स से मिली 'बीबी+' रेटिंग

कोच्चि, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी स्वर्ण ऋण (गोल्ड लोन) एनबीएफसी, मुथूट फाइनेंस लिमिटेड को एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स से 'बीबी+/बी' रेटिंग मिली है, जिसका दृष्टिकोण (आउटलुक) स्थिर (स्टेबल) है। इस रेटिंग से कंपनी के सुरक्षित वित्तीय आधार, विवेकपूर्ण जोखिम प्रबंधन और बदलते नियामक ढांचे के साथ आगे बढ़ने के प्रति इसका लचीलापन रेखांकित होता है। कंपनी की इस बेहतर रेटिंग से निवेशकों का भरोसा और बढ़ने की उम्मीद है और इससे मुथूट फाइनेंस की दीर्घकालिक वृद्धि से योजनाओं को समर्थन भी मिलेगा।

मुथूट फाइनेंस के प्रबंध निदेशक, जॉर्ज अलेक्ज़ेंडर मुथूट ने कहा कि कंपनी की रेटिंग में बढ़ोतरी (अपग्रेड) से हमारी बैलेंस शीट, लाभप्रदता बढ़ाने, परिचालन दक्षता बढ़ाने और सतत विकास से जुड़ी रणनीतियों को क्रियान्वित करने के लिहाज़ से हमारी निरंतर प्रगति ज़ाहिर होती है। इससे वित्तीय लचीलापन और स्थिरता बनाए रखते हुए गतिशील बाज़ार स्थितियों से निपटने से जुड़ी हमारी क्षमता पर निवेशकों, भागीदारों और ग्राहकों सहित बाहरी हितधारकों का भरोसा रेखांकित होता है।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने अपने आकलन में कहा कि हमने मुथूट फाइनेंस के लिए अपनी जारीकर्ता क्रेडिट रेटिंग को 'बीबी/बी' से बढ़ाकर 'बीबी+/बी' कर दिया है। यह हमारे इस दृष्टिकोण को दर्शाता है कि कंपनी अगले 12 महीनों में अपनी उत्कृष्ट पूंजी और आय बरकरार रखते हुए भारत में विशेष रूप से उच्च स्तर के फिनको से जुड़े बेहतरीन विनियमनों का लाभ उठाएगी।

जीतो धन धना धन हर टाटा आईपीएल मैच में 100 विजेताओं के साथ वापस आ गया है

मुंबई, एजेंसी। टाटा आईपीएल 2025 सीजन के शुरू होने में 24 घंटे से भी कम समय बचा है, ऐसे में जियोस्टार ने आज अपने लोकप्रिय प्रिडिक्ट-एंड-विन फैंस एंगेजमेंट प्रतियोगिता जीतो धन धना धन (JDDD) की वापसी की घोषणा की है और My11Circle को लगातार दूसरे सीजन के लिए टाइटल प्रायोजक बनाया गया है। जीतो धन धना धन जियोहॉटस्टार पर एक फ्री-टू-प्ले प्रतियोगिता है, जिसमें दर्शक भाग ले सकते हैं और रियल टाइम की प्रिडिक्शन और सामान्य ज्ञान के सवालों के साथ टाटा आईपीएल को लाइव देखते हुए पुरस्कार, ब्रांड कूपन जीत सकते हैं, जिससे देखने का अनुभव और भी रोमांचक और फायदेमंद हो जाता है। जियोस्टार ओपनिंग वीकेंड और टाटा आईपीएल 2025 के फाइनल के दौरान जीतो धन धना धन खेलने वाले दर्शकों को रोमांचक एसयूवी देगा। दर्शक गेम देखते समय फोन को पोर्ट्रेट मोड में रख सकते हैं और ऐप पर समर्पित 'जीतो' टैब पर जा सकते हैं, जहां हर ओवर से पहले चार विकल्पों के साथ सवाल दिखाई देता है। 18वें सीज़न के हर एक मैच में सबसे सही जवाब देने वाले दर्शकों को स्मार्ट टीवी, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव ओवन सहित 100 पुरस्कार दिए जाएंगे। जीतो धन धना धन को दूसरे स्क्रीन पर जुड़ाव का अनुभव बनाने के इरादे से, इस सीजन में स्टार स्पोर्ट्स पर दर्शकों को एक क्यूआर कोड या यूआरएल jeeto.jiohotstar.com के माध्यम से लाइव मैचों के दौरान अभूतपूर्व स्तर की जुड़ाव का अनुभव मिलेगा।

जियोस्टार-खेल प्रवक्ता ने कहा, हमारे विजेताओं में उत्साह और खुशी का माहौल है।

भीलवाड़ा एनर्जी लिमिटेड करेगा एलएनजे ग्रीनपेट में रु 750 करोड़ का निवेश

दिल्ली, एजेंसी। भीलवाड़ा एनर्जी लिमिटेड ने आधुनिक बी2बी फूड ग्रेड पीईटी रेज़िन मैनुफैक्चरिंग प्लांट का लॉन्च किया है। राजस्थान में 95 एकड़ में फैला यह मैनुफैक्चरिंग प्लांट नौकरियों के 700 से अधिक अवसर उत्पन्न करेगा। एलएनजे ग्रीनपेट, राजस्थान के टोंक ज़िले में स्थित भारत का सबसे बड़ा सिंगल-प्रिमाइसेस बॉटल-टू-बॉटल (बी2बी) रीसायकल्ड पीईटी रेज़िन मैनुफैक्चरिंग प्रोजेक्ट होगा।

इस अवसर पर श्री रीजु झुनझुनवाला, मैनेजिंग डायरेक्टर, भीलवाड़ा एनर्जी लिमिटेड ने कहा, "हम विश्वस्तरीय रेज़िन युनिट बनाने के लिए प्रयासरत हैं, जो भारत के शुद्ध-शून्य दृष्टिकोण के अनुरूप उद्योग जगत की बदलती ज़रूरतों को पूरा कर सके। 2014 में आरसीपीएफ युनिट की स्थापना ग्रूप का पहला सफल बेंचमार्क था, हमारा मानना है कि भारतीय उद्योगों को सर्कुलेरिटी को अपनाना चाहिए। एलएनजे ग्रीनपेट स्थायित्व की दिशा में एक और बड़ा कदम है जो प्लास्टिक रीसायक्लिंग के महत्व को पहचान कर प्लास्टिक व्यर्थ प्रबन्धन के लिए उचित समाधान उपलब्ध कराएगा।"

प्रोजेक्ट के संचालन की शुरूआत सितम्बर 2026 में हो जाएगी और इसमें प्रति दिन 20 मिलियन पीईटी बोतलों को रीसायकल करने तथा सालाना 100 किलोटन फूड ग्रेड बी2बी आर पीईटी रेज़िन उत्पादन की क्षमता होगी। यह पीईटी बोतल रीसायक्लिंग में ग्रुप की दूसरी पहल है, इससे पहले 2014 में रीसायकल्ड पॉलिस्टर फाइबर युनिट की स्थापना सफलतापूर्वक की गई थी, जो वर्तमान में रोज़ाना 6 मिलियन पीईटी बोतलों को रीसायकल करती है तथा सालाना 43000 + एमटी से अधिक फाइबर ग्रीन का उत्पादन करती है।

सेलर्स के लिए अमेज़न का बड़ा कदम: 1.2 करोड़ से अधिक प्रोडक्ट्स पर ज़ीरो रेफरल फीस

बेंगलुरु, एजेंसी। अमेज़न इंडिया ने आज देश भर में amazon.in पर बिक्री करने वाले लाखों छोटे व्यवसायों की मदद के लिए सेलर्स फीस में अपनी अब तक की सबसे बड़ी कटौती की घोषणा की। ड्डद्बड्ड5श्ठ्ठ.द्बठ्ठ पर सेलर्स की वृद्धि को और बढ़ावा देने के उद्देश्य से कंपनी ने ?300 से कम कीमत वाले 1.2 करोड़ से अधिक प्रोडक्ट्स पर से रेफरल फीस पूरी तरह हटाने (ज़ीरो रेफेरल फीस) का प्रावधान किया है। रेफरल फीस एक तरह का कमीशन है, जो सेलर्स बेचे गए हर प्रोडक्ट के लिए अमेज़न को देते हैं। शून्य रेफरल फीस का यह प्रावधान 135 से अधिक प्रोडक्ट कटेगोरिएस पर लागू होगा।

अमेज़न ने ईज़ी शिप और सेलर फ्लेक्स जैसे वाह्य फुलफिलमेंट चैनलों का उपयोग करने वाले सेलर्स के लिए सरलीकृत फ्लैट दर भी पेश किया है, जिसमें राष्टीय शिपिंग दरें अब रु.77 से कम होकर रु.65 से शुरू होती हैं। ईज़ी शिप एक फुलफिलमेंट चैनल है जिसके तहत अमेज़न सेलर्स के स्थान से पैकेज इकट्ठा करती है और उन्हें ग्राहकों तक पहुंचाता है। अमेज़न सेलर फ्लेक्स के अंग के रूप में, सेलर्स के गोदाम के एक हिस्से को अमेज़न फुलफिलमेंट सेंटर के रूप में प्रबंधित करती है।

इसके अलावा, कंपनी ने 1 किलोग्राम से कम वज़न वाले सामानों के लिए वज़न प्रबंधन फीस में रु.17 तक की कटौती की है, जिससे सेलर्स को अब अमेज़न को कम फीस का भुगतान करना पड़ता है। एक बार में एक से अधिक प्रोडक्ट इकाई की शिपिंग करने वाले सेलर्स को दूसरी इकाई पर बिक्री फीस में 90त्न से अधिक तक की बचत देखने को मिलेगी। इन बदलावों से सेलर्स को व्यापक सेलेक्शन, प्रतिस्पर्धी ऑफर देने और अपने व्यवसाय को बढ़ाने में मदद करेंगे। संशोधित फीस 7 अप्रैल, 2025 से लागू होंगे।

अमेजन इंडिया के सेलिंग पार्टनर सर्विसेज के निदेशक, अमित नंदा ने कहा, अमेजन इंडिया में, हम सभी सेलर्स को आगे बढ़ने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं क्योंकि हमारा दृढ़ विश्वास है कि हमारी सफलता उनकी सफलता में निहित है। हम करोड़ों प्रोडक्ट्स पर रेफरल फीस को समाप्त कर और शिपिंग लागत को कम कर सेलर्स के लिए amazon.in पर बिक्री को और अधिक आकर्षक बना रहे हैं। यह पहल अमेज़न पर सेलर्स की वृद्धि का समर्थन करती है, जिससे उन्हें व्यापक चयन प्रदान करने और ग्राहकों को अधिक प्रतिस्पर्धी ऑफर पेश करने में सक्षम बनाया जाता है, खासकर रोज़मर्रा की कम कीमत वाली वस्तुओं पर। अपने परिचालन में दक्षता हासिल करने के साहत साथ-साथ हम सुनिश्चित करते हैं कि वे लाभ हमारे सेलर्स और ग्राहकों तक पहुंचें। रेफरल फीस खत्म होने और शिपिंग लागत कम होने से सेलर्स को काफी बचत हो जाती है।

अमेज़न ने 2013 में, भारत में अपना ई-कॉमर्स व्यवसाय सिर्फ 100 सेलर्स, चुनिंदा शहरों में डिलीवरी और मुख्य रूप से विभिन्न किस्म के किताब आदि की बिक्री के साथ शुरू किया था। आज, amazon.in के मार्केटप्लेस पर 1.6 मिलियन (16 लाख) से ज़्यादा सेलर्स हैं जो स्मार्टफोन से लेकर घरेलू सामान, स्टेशनरी से लेकर रसोई के प्रोडक्ट और बागवानी के औज़ारों से लेकर संगीत वाद्ययंत्रों तक विभिन्न किस्म के प्रोडक्ट भारत के सभी सेवा योग्य पिन-कोड पर ग्राहकों को बेचते हैं।

कंपनी छोटे व्यवसायों को डिजिटल बनाने का प्रयास कर रही है ताकि प्रोडक्ट्स का संग्रह बड़ा हो, टेक्नोलॉजी का उपयोग कर अड़चनों को दूर किया जा सके और ग्राहकों को मूल्य प्रदान किया जा सके। यह भारत में खरीदारी और बिक्री के तरीके को बदलने के अमेज़न के दृष्टिकोण के अनुरूप है। amazon.in पर 90% से ज़्यादा सेलर्स छोटे और मध्यम व्यवसाय हैं, और 50% से ज़्यादा सेलर्स आधार टियर 2, 3 और 4 शहरों में स्थित हैं। यह देश भर में स्थानीय उद्यमियों और व्यवसायों को सशक्त बनाने के प्रति अमेज़न की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान देता है।

टीसीएस कोडवीटा 2025 में 'विश्व के सर्वश्रेष्ठ कोडर' का खिताब जीता 24 वर्षीय ताइवानी छात्र ने

चेन्नई, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर आईटी सेवा, परामर्श और व्यावसायिक समाधान क्षेत्र की अग्रणी कंपनी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) (बीएसईः 532540, एनएसईः टीसीएस) ने चेन्नई स्थित टीसीएस सिरुसेरी परिसर में आयोजित एक भव्य समारोह में अपनी वैश्विक कोडिंग प्रतियोगिता, कोडवीटा के विजेताओं की घोषणा की। ताइवान के 24 वर्षीय जेफरी हो ने इस प्रतियोगिता में विजेता का खिताब जीता। यह प्रतियोगिता दुनिया की सबसे बड़ी कंप्यूटर प्रोग्रामिंग प्रतियोगिता के रूप में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्डटीएम में दर्ज है।

'यूनाइटेड बाय कोड' थीम पर आधारित, कोडवीटा के इस सीज़न में प्रोग्रामिंग के सबसे प्रतिभाशाली लोग एक मंच पर आए, जिससे कोडिंग उत्कृष्टता का दायरा बढ़ा। इस प्रतियोगिता के 12वें संस्करण में 96 देशों से 537,000 से अधिक पंजीकरण हुए जो अब तक का उच्चतम स्तर है। टीसीएस कोडवीटा छात्रों के बीच कोडिंग के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक गेमीफाइड दृष्टिकोण अपनाता है। पिछले कुछ वर्षों में, सैकड़ों छात्रों ने टीसीएस में इंटर्नशिप पूरी की है। इस प्रावधान के तहत हर सीज़न में शीर्ष तीन कोडर को सीधे टीसीएस अनुसंधान एवं नवोन्मेष (रिसर्च एंड इनोवेशन) टीम के साथ इंटर्नशिप करने का अवसर दिया जाता है। कोडवीटा में कोडिंग चुनौतियों के तीन दौर होते हैं। पहले राउंड में, प्रतियोगियों को आगे बढ़ने के लिए कम से कम एक चुनौती को हल करना होता है। दूसरे राउंड में, उन्हें नई जटिल समस्याओं (प्रॉब्लम) का सामना करना पड़ता है। हर साल, केवल शीर्ष 25 प्रतियोगी ही अंतिम दौर में पहुंच पाते हैं।

टीसीएस के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, हैरिक विन ने कहा, टीसीएस कोडवीटा न केवल प्रतिभागियों को अपने कोडिंग कौशल को बढ़ाने के लिए चुनौती देता है, बल्कि वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों (एप्लीकेशन) और उभरते प्रौद्योगिकी रुझानों परखने का एक अनूठा अवसर भी प्रदान करता है। वैश्विक कोडिंग प्रतियोगिता अब अपने 12वें सीज़न में है और यह निरंतर प्रतिभा के लिए मानकों को आगे बढ़ा रही है, नए दृष्टिकोणों को प्रेरित कर रही है और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता को बढ़ावा दे रही है। टीसीएस कोडवीटा जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से, कंपनी समस्या समाधानकर्ताओं की अगली पीढ़ी को सशक्त बना रही है और युवा नेतृत्व का एक समुदाय तैयार कर रही है जो कल के प्रौद्योगिकी परिदृश्य को आकार देगा। टीसीएस की अनुसंधान एवं नवोन्मेष (रिसर्च) टीम ने एक ऐसा ढांचा विकसित किया है जो प्रतियोगियों के कोड के सबमिशन, संकलन और मूल्यांकन को स्वचालित करता है। इससे कोडवीटा के लिए आठ प्रोग्रामिंग लैंग्वेज (भाषाओं) में कोड के सबमिशन, संकलन और मूल्यांकन में भी मदद मिलती है। ये प्रतियोगिताएं द फिलाकोडिस्ट क्लब के अनुभवी टीसीएस कोडर तैयार करते हैं। इस साल के सवालों में फॉर्मूला-आधारित प्रश्न (प्रॉब्लम) और एल्गोरिथम से जुड़े चैलेंज से लेकर वास्तविक जीवन में इनके उपयोग (एप्लीकेशन) और डेटा स्ट्रक्चर-संबंधी टास्क शामिल थे। शीर्ष विजेता , जेफरी को 10,000 डॉलर का नकद पुरस्कार दिया गया, जबकि दूसरे स्थान पर रहे चिली के 24 वर्षीय मार्टिन एंड्रिगेटी और तीसरे स्थान पर अपने लिए जगह बनाने वाले 22 वर्षीय इग्नेसियो मुनोज़ को क्रमशः 7,000 डॉलर और 3,000 का पुरस्कार दिया गया। उल्लेखनीय है कि एंड्रिगेटी ने 2024 में प्रतियोगिता जीती थी। इनके अलावा इस सीज़न में भारत की 20 वर्षीय शीर्ष महिला कोडर अंकिता वर्मा और चीन की 19 वर्षीय शीर्ष उभरती कोडर, ज़ोऊ जिंगकाई को भी सम्मानित किया गया। टीसीएस कोडवीटा सीज़न-12 के विजेता जेफरी हो ने कहा, टीसीएस कोडवीटा में यह मेरा चौथा साल है, और यह यात्रा अविश्वसनीय रही है। हर साल नई चुनौतियां, कठिन प्रतिस्पर्धा और बेशकीमती सबक लेकर आया। आज विजयी होने से सारी कड़ी मेहनत, दृढ़ता और जुनून सब कुछ वाकई सार्थक हो गया। 21 मार्च को चेन्नई में आयोजित इस ग्रैंड फिनाले में स्पेन, चिली, पेरू, इक्वाडोर, ब्राजील, चीन, ताइवान और भारत सहित आठ देशों के 25 फाइनलिस्ट शामिल हुए। टीसीएस कोडवीटा के 12वें सीज़न में प्रतियोगियों के अलावा, पेरू गणराज्य के राजदूत महामहिम जेवियर पॉलिनिच और चेन्नई में चिली की मानद वाणिज्यदूत सुनीता शाहनी के साथ-साथ टीसीएस के वरिष्ठ अधिकारी और शिक्षाविद भी शामिल हुए।

एनबीएसएल ने लॉन्च किया भारत इंटरफेस फॉर मनी (भीम) 3.0

भीम 3.0 उपयोगकर्ताओं के लिए उन्नत फीचर, व्यवसायों और बैंकों के लिए नई पेशकश प्रदान करेगा

मुंबई, एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड (एनबीएसएल), ने भारत इंटरफेस फॉर मनी (भीम) 3.0 लॉन्च किया है। भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यकारी निदेशक, विवेक दीप ने एनपीसीआई के गैर-कार्यकारी अध्यक्ष और स्वतंत्र निदेशक, अजय कुमार चौधरी और बैंकिंग एवं फिनटेक उद्योग के वरिष्ठ नेतृत्व की उपस्थिति में एप्लिकेशन और सेवाओं का शुभारंभ किया। भीम 3.0, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2016 में लॉन्च किए जाने के बाद से इसका तीसरा विकसित प्रारूप है। नया भीम 3.0 ऐप ग्राहक के अनुकूल और अधिक सहज अनुभव प्रदान करता है। भीम 3.0 अब इन सुविधाओं की पेशकश करता है:

पहले की अपेक्षा अधिक भाषा का विकल्प -बेहतर पहुंच के लिए 15 से अधिक भारतीय भाषाओं में उपलब्ध।

धीमे इंटरनेट वाले क्षेत्रों में काम करता है- धीमे या अस्थिर नेटवर्क कनेक्शन के साथ भी सहज लेन-देन सुनिश्चित करने के लिए तैयार।

बेहतर धन प्रबंधन- खर्चों को आसानी से ट्रैक करने, प्रबंधित करने और विभाजित करने के लिए उन्नत टूल

अजय कुमार चौधरी ने इस कार्यक्रम में कहा, भीम ने हमेशा हर भारतीय के लिए डिजिटल भुगतान को सुरक्षित और सरल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भीम 3.0 का लॉन्च लाखों उपयोगकर्ताओं, व्यापारियों और बैंकों को सशक्त बनाने की दिशा में एक और कदम है, जिससे भारत को डिजिटल रूप से समावेशी भविष्य की ओर आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

एनबीएसएल की मुख्य कार्यकारी, सुश्री ललिता नटराज ने कहा, भीम 3.0 को डिजिटल भुगतान की तेज़ी से विकसित हो रही दुनिया में आज के दौर के उपयोगकर्ताओं की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। भारत के लिए बनाया गया, यह इंटरफेस सुरक्षा, सुविधा और समावेश को प्राथमिकता देता है। भीम 3.0 समाज के सभी वर्गों में वित्तीय सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाएगा।

उपयोगकर्ताओं के लिए उन्नत फीचर- खर्च बांट सकते हैं-उपयोगकर्ता अब मित्रों और परिवार के साथ बिल को सहजता से बांट कर सकते हैं। चाहे वह बाहर भोजन करना हो, किराए का भुगतान करना हो या सामूहिक खरीदारी हो, भीम ऐप उपयोगकर्ताओं को व्यय विभाजित करने और सीधे भुगतान करने की अनुमति देता है, जिससे परेशानी मुक्त निपटान सुनिश्चित होता है।

पारिवारिक मोड- उपयोगकर्ता अब परिवार के सदस्यों को शामिल कर सकते हैं, साझा किए गए व्यय को ट्रैक कर सकते हैं और विशिष्ट भुगतान असाइन कर सकते हैं। यह सुविधा परिवारों को उनके व्यय का समेकित दृश्य देकर बेहतर वित्तीय नियोजन सक्षम बनाती है।

खर्च का विश्लेषण- नया डैशबोर्ड भीम ऐप पर किए गए व्यय के लिए उपयोगकर्ता के मासिक व्यय पैटर्न का सहज दृश्य प्रदान करता है। यह स्वचालित रूप से व्यय को वर्गीकृत करता है, जिससे उपयोगकर्ताओं को जटिल स्प्रेडशीट की आवश्यकता के बिना अपने बजट का विश्लेषण और प्रबंधन करने में मदद मिलती है।

आवश्यक कार्रवाई- एक बिल्ट-इन सहायक (टास्क असिस्टेंट) जो उपयोगकर्ताओं को भीम ऐप से जुड़े लंबित बिलों की याद दिलाता है, उन्हें यूपीआई लाइट एनेबल करने के लिए संकेत देता है, और जब उनका लाइट बैलेंस कम होता है तो उन्हें सचेत करता है। यह सुनिश्चित करता है कि उपयोगकर्ता अपनी वित्तीय गतिविधियों पर नज़र रखें।

मर्चेंट के लिए नई पेशकश- भीम वेगा- मर्चेंट के लिए एक सहज इन-ऐप भुगतान समाधान। यह सुविधा ऑनलाइन मर्चेंट प्लेटफ़ॉर्म के साथ एकीकृत होती है, जिससे ग्राहक थर्ड-पार्टी ऐप पर जाए बगैर ऐप के भीतर तुरंत भुगतान पूरा कर सकते हैं। भीम 3.0 को सभी प्लेटफॉर्म पर विभिन्न चरणों में पेश किया जाएगा और उम्मीद है कि यह पूरी तरह से अप्रैल 2025 तक उपलब्ध होगा।

बैंक ऑफ इंडिया ने रक्षक सैलरी पैकेज के लिए भारतीय वायु सेना के साथ समझौता किया

मुंबई, एजेंसी। देश में सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख बैंकों में से एक, बैंक ऑफ इंडिया ने भारतीय वायु सेना के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत वायु सेना के कर्मियों, पूर्व सैनिकों और अग्निपथ योजना के तहत भर्ती हुए अग्निवीरों को बीओआई रक्षक सैलरी पैकेज की सुविधा दी जाएगी।

इस समझौते में विशेष लाभ शामिल हैं, जैसे उन्नत व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा कवर (PAI), डेबिट और क्रेडिट कार्ड पर आकर्षक ऑफर और कई अन्य सुविधाएँ।

समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान समारोह 20 मार्च 2025 को नई दिल्ली स्थित वायु सेना मुख्यालय में आयोजित किया गया। इस समारोह की अध्यक्षता भारतीय वायु सेना के एयर वाइस मार्शल उपदेश शर्मा, वीएसएम, एसीएएस (अकाउंट्स एवं एवी) ने की। इस अवसर पर बैंक ऑफ इंडिया के चीफ जनरल मैनेजर श्री शारदा भूषण राय और दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

एयर वाइस मार्शल उपदेश शर्मा ने बैंक ऑफ इंडिया द्वारा भारतीय वायु सेना के सभी कर्मियों और पूर्व सैनिकों को वित्तीय सेवाओं की यह सुविधा प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि आईएएफ इस संबंध को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर बैंक ऑफ इंडिया के चीफ जनरल मैनेजर शारदा भूषण राय ने कहा, हम भारतीय वायु सेना से जुड़कर गर्व महसूस कर रहे हैं और हमें खुशी है कि हम अपने रक्षक सैलरी पैकेज के लाभ प्रदान कर सकते हैं। बैंक ऑफ इंडिया अपने अत्याधुनिक डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ बेहतरीन बैंकिंग उत्पाद और ग्राहक सेवा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैंक ऑफ इंडिया की ओर से उन्होंने भारतीय वायु सेना के प्रति आभार व्यक्त किया। यह पहली बार है कि बैंक ऑफ इंडिया ने भारतीय वायु सेना के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। बीओआई रक्षक सैलरी स्कीम विशेष रूप से रक्षा बलों, अर्धसैनिक बलों और राज्य पुलिस के कर्मियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। यह योजना 100 लाख रुपये तक का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा कवर, 200 लाख रुपये तक का हवाई दुर्घटना कवर और कई अन्य लाभ प्रदान करती है।

पर्यटन, शिक्षा और कौशल विकास से होगा आर्थिक समृद्धि का विस्तार-राज्यपाल

कोटा विश्वविद्यालय का प्रथम औद्योगिक अकादमिक सम्मेलन
भारतीय संस्कृति में पर्यटन की अनूठी परंपरा-राज्यपाल

कोटा, 26 मार्च। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को कोटा विश्वविद्यालय के प्रथम औद्योगिक अकादमिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। राज्यपाल श्री बागडे ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यटन आर्थिक विकास का उत्प्रेरक है। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति में पर्यटन एक अभिन्न अंग के रूप में सदियों से विद्यमान रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में चारधाम यात्रा एवं अन्य धार्मिक यात्राओं की प्राचीन परंपरा रही है, जो लोगों को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप से जोड़ती है।

पर्यटन से रोजगार और आर्थिक वृद्धि- राज्यपाल बागडे ने कहा कि पर्यटन रोजगार और आर्थिक विकास से सीधा जुड़ा हुआ है। उन्होंने भारतीय स्थापत्य कला की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय मंदिरों और ऐतिहासिक धरोहरों की नक्काशी और विशिष्ट कलाकृतियों के कारण वे आज वैश्विक पहचान बना चुके हैं। उन्होंने कहा कि सिंगापुर जैसे देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह पर्यटन पर निर्भर है। भारत में भी पर्यटन को इसी दृष्टि से विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोटा शहर चंबल नदी के किनारे स्थित होने के कारण प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक महत्व रखता है। कोटा में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होने की अपार संभावनाएं हैं।

पर्यटन के साथ कौशल विकास भी अनिवार्य- राज्यपाल ने अपने संबोधन में कौशल विकास पर जोर देते हुए कहा कि लोगों के हाथों में कौशल होना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि कौशल रोजगार और रोटी की गारंटी देता है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यटन और कौशल विकास साथ-साथ चलते हैं। यदि युवाओं को पर्यटन उद्योग से जोड़ते हुए उन्हें आवश्यक कौशल प्रदान किया जाए, तो इससे रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। उन्होंने होटल उद्योग, टूर गाइड, इको-टूरिज्म और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

राजस्थान के पर्यटन स्थलों की अपार संभावनाएं- राज्यपाल ने राजस्थान के किलों, हवेलियों, मंदिरों, वन्यजीव अभयारण्यों और पारिस्थितिकी तंत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि राजस्थान देश और विदेश के पर्यटकों के लिए हमेशा आकर्षण का केन्द्र रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यटन एक ऐसा उद्योग है जो अन्य छोटे व्यवसायों को भी प्रोत्साहित करता है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों में वृद्धि होती है।

धार्मिक पर्यटन का नया आयाम- कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कोटा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कैलाश सोडानी ने कहा कि भारत में धार्मिक पर्यटन अब एक नए क्रांतिकारी इतिहास की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ, अयोध्या मंदिर निर्माण और तिरुपति जैसे धार्मिक स्थल करोड़ों श्रद्धालुओं को आकर्षित करते हैं, जिससे पर्यटन उद्योग को नई ऊर्जा मिलती है। उन्होंने बताया कि पहले पर्यटन को कुछ गिने-चुने ऐतिहासिक स्थलों तक सीमित माना जाता था, लेकिन अब इसे नवाचार और सतत विकास के साथ जोड़ा जा रहा है।

कोटा एक उभरता हुआ पर्यटन केंद्र- उन्होंने कोटा के पर्यटन स्थलों का उल्लेख करते हुए कहा कि मुकुंदरा टाइगर रिजर्व, मथुराधीश मंदिर, रिवर फ्रंट, ऑक्सीजन पार्क, एयरोसिटी, एक्सप्रेस-वे के कारण कोटा में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं।

अतिथि देवो भवः भारत की प्राचीन परंपरा- मुख्य वक्ता हिमाचल प्रदेश की सेंट्रल यूनिवर्सिटी के प्रो. संदीप कुलश्रेष्ठ ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में 'अतिथि देवो भव' की अवधारणा प्राचीन काल से चली आ रही है। उन्होंने कहा कि भारत में हमेशा से ही लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर भ्रमण होता आया है, जिसका उल्लेख वेदों और रामायण-महाभारत में भी मिलता है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पर्यटन का नेतृत्व एशिया करेगा और भारत इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

वैश्विक मंच पर भारतीय पर्यटन की बढ़ती भूमिका- उन्होंने महाकुंभ का उदाहरण देते हुए बताया कि हाल ही में महाकुंभ में 65 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया। इतने लोगों के प्रयागराज आने से वहां की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का आयोजन न केवल पर्यटन का केन्द्र बिंदु बना, बल्कि इसने सामाजिक एकता का भी संदेश दिया।

पर्यटनः आर्थिक और सामाजिक विकास का साधन- कार्यक्रम की निदेशक प्रो. अनुकृति शर्मा ने पर्यटन की आर्थिक और सामाजिक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हाड़ौती में पर्यटन के नए आयामों पर विचार-विमर्श करने और पर्यटन शिक्षा तथा पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस सम्मेलन का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि यदि भारत में पर्यटन को नवाचार, डिजिटलाइजेशन और सतत विकास के साथ जोड़ा जाए, तो यह देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है। सम्मेलन में पर्यटन से जुड़े छात्रों के साथ शिक्षा, पर्यटन एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

बाल विवाह की रोकथाम को लेकर प्रशासन अलर्ट

ग्राम व तहसील स्तर पर कमेटियां गठित, नियंत्रण कक्ष स्थापित, निमंत्रण पत्र में वर-वधू की जन्मतिथि प्रकाशित करना अनिवार्य

उदयपुर, 26 मार्च। आगामी अक्षय तृतीया 30 अप्रैल तथा पीपल पूर्णिमा 12 मई पर संभावित बाल विवाहों की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन अलर्ट है। जिला मजिस्ट्रेट नमित मेहता ने ग्राम व तहसील स्तर पर कमेटियां गठित करते हुए नियंत्रण अधिकारी नियुक्त किए हैं। इसके अलावा अधिसूचना जारी कर जिले के सभी मुद्रकों को विवाह के निमंत्रण पत्रों पर वर-वधू की जन्मतिथि अंकित करने के लिए पाबंद किया है। बाल विवाह की सूचनाओं के त्वरित आदान प्रदान और अपेक्षित कार्यवाही के लिए जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

जिला मजिस्ट्रेट एव कलक्टर नमित मेहता ने बताया कि अक्षय तृतीया व पीपल पूर्णिमा पर बाल विवाह होने की संभावना रहती है। बाल विवाह कानूनन अपराध होने के साथ ही एक सामाजिक बुराई भी है। कम आयु में विवाह होने से वर-वधू दोनों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अतः बाल विवाह की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है।

सतर्कता दल एवं समितियां गठित- जिले में बाल विवाह की प्रभावी रोकथाम के लिए जिले के प्रत्येक उपखण्ड क्षेत्र में संबंधित उपखण्ड अधिकारी, वृत्ताधिकारी तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी को शामिल करते हुए सतर्कता दल गठित किए गए हैं। इसके अलावा ग्राम एवं तहसील स्तर पर समितियां बनाई हैं। ग्राम स्तरीय समिति में संबंधित ग्राम विकास अधिकारी, हल्का पटवारी, बीट कॉनिस्टेबल तथा आषा सहयोगिनी -आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को शामिल किया गया है। इसी प्रकार तहसील स्तरीय समिति में तहसीलदार, संबंधित विकास अधिकारी तथा थानाधिकारी को नियुक्त किया है।

इसके अलावा जिला मजिस्ट्रेट श्री मेहता ने हर 9-10 ग्राम पंचायतों पर एक नियंत्रण अधिकारी भी नियुक्त किया है। ये अधिकारी संबंधित उपखण्ड अधिकारियों से समन्वय रखते हुए क्षेत्र में बाल विवाह की रोकथाम के लिए वांछित कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

7 दिन पहले जन्मतिथि दस्तावेजों के साथ देनी होगी सामूहिक विवाह की सूचना- जिला मजिस्ट्रेट श्री मेहता ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत अधिसूचना जारी की। बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेषक को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। जिले में मुद्रण कार्य से जुड़े सभी व्यक्तियों को विवाह निमंत्रण पत्र प्रकाषन से पूर्व वर-वधू के जन्मतिथि के दस्तावेज लेने, कार्ड में जन्मतिथि प्रकाषित करने तथा कार्ड की एक प्रति संबंधित उपखण्ड अधिकारी कार्यालय में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने के लिए पाबंद किया गया है।

इसी प्रकार सामूहिक विवाह समारोहों में आयोजकों को पंजीबद्ध वर-वधू की जन्मतिथि बाबत् रेकार्ड प्राप्त एवं संधारित करने तथा संग्रहित सभी सूचनाएं सामूहिक विवाह आयोजन से 7 दिन पहले संबंधित उपखण्ड अधिकारी को प्रस्तुत करने के लिए भी निर्देशित किया गया है।

कंट्रोल रूम स्थापित- जिला मजिस्ट्रेट ने बाल विवाह की रोकथाम को लेकर सूचनाओं के त्वरित आदान प्रदान के लिए जिला स्तर पर कलेक्ट्रेट कार्यालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। यह नियंत्रण कक्ष 26 मार्च से प्रारंभ होकर 15 मई तक 24 घंटे क्रियाशील रहेगा। नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 0294-2414620 है। इसके अलावा उपखण्ड मजिस्ट्रेट कार्यालय तथा पुलिस अधिकारी कार्यालयों व थानों में भी नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जा रहे हैं।

निर्वाणी अखाड़ा परिषद के महामंत्री ने देखी नर सेवा- नारायण सेवा

उदयपुर, 26 मार्च। अयोध्या हनुमानगढ़ी के महंत एवं निर्वाणी अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री सत्यदेव महाराज ने मंगलवार को नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क दिव्यांग चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया एवं सेवा प्रकल्पों का अवलोकन किया। संस्थान संस्थापक पद्मश्री कैलाश 'मानव', अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल और निदेशक वंदना अग्रवाल ने उनका पुष्पहार, पाग व उपरणा ओढ़ाकर स्वागत किया। उनके साथ फतह नगर स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर के महंत श्री शिव शंकर दास महाराज भी थे।

स्वागत समारोह में विष्णु शर्मा हितैषी, अनिल आचार्य, कुलदीप सिंह शेखावत, गोविंद सोलंकी, महिम जैन सहित बड़ी संख्या में दिव्यांग व उनके परिजन मौजूद थे।

दुग्ध उत्पादक वार्षिक सम्मेलन गोलासन में आज

बाड़मेर, 26 मार्च। सोसायटी टु अपलिफ्ट रूरल इकोनामी बाड़मेर द्वारा केयर्न फाउंडेशन के सौजन्य से संचालित डेयरी विकास एवं पशुपालन परियोजना क्षेत्र के गांबो में संचालित दुग्ध संकलन केदो के सदस्यों एवं महिला स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के लिए एक दिवसीय दुग्ध उत्पादक वार्षिक सम्मेलन 2025 का आयोजन दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति परिसर गोलासन ग्राम पंचायत गोलासन में बुधवार को करवाया जा रहा है। डेयरी विकास एवं पशुपालन कार्यक्रम के कार्यक्रम प्रबंधक हनुमान राम चौधरी ने बताया कि इस वार्षिक सम्मेलन 2025 का मुख्य उद्देश्य दुग्ध उत्पादकों को एक मंच उपलब्ध करवा कर उनमें जागरूकता लाने के साथ दुग्ध उत्पादन एवं कृषि के क्षेत्र में नई तकनीकी एवं ज्ञानवर्दी के साथ उन्नत पशु तबेला को बढ़ावा देना व दुग्ध उत्पादकों को सरकारी गैर सरकारी एवं परियोजना के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं उन्नत तकनीकी गर्मी के मौसम में दूध फटने की समस्या पर विस्तार से चर्चा एवं उनकी रोकथाम स्वच्छ दूध उत्पादन जैविक एवं मसाला खेती उत्पादन को बढ़ावा देने इत्यादि विषयों की महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कर उनके सशक्तिकरण उनका आर्थिक उन्नयन व स्वरोजगार को बढ़ावा देने के साथ उन्नत तकनीकी के माध्यम से दुग्ध उत्पादको महिला स्वयं सहायता समूह सदस्यों एवं किसानों का सर्वांगीण विकास करने के साथ समितियां द्वारा किए जा रहे प्रयासों एवं कार्यों की समीक्षा कर आगामी कार्य योजना तैयार करवाना है। उक्त सम्मेलन में अलग-अलग विषय के विषय विशेषज्ञ कृषि पशुपालन डेयरी उन्नत जैविक खेती महिला सशक्तिकरण महिला कुटीर उद्योग एवं आयवर्धन इत्यादि के बारे में अपनी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान करेंगे। उक्त सम्मेलन में अनुमानित 260 दुग्ध उत्पादक पुरुष एवं महिलाएं शिरकत करेंगे।

छोटी सादड़ी रोड़ पर राजस्थान लोक परिवहन सेवा बस से 1-010 किलाग्राम अवैध अफीम बरामद

कोटा, 26 मार्च। अधीक्षक (निवारक) उप नारकोटिक्स आयुक्त कार्यालय कोटा (राज.) की ओर से अवैध मादक पदार्थो की तस्करी पर रोक लगाने के लिए के चलाए जा रहे अभियान के तहत 24 मार्च 2025 को सीबीएन को एक ओर सफलता प्राप्त हुई है। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन.) राजस्थान के उप नारकोटिक्स आयुक्त कोटा (राज.) श्री नरेश बुन्देल के मार्गदर्शन में यह अभियान पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है। उप नारकोटिक्स आयुक्त कोटा (राज.)श्री नरेश बुन्देल ने बताया की एक गुप्त सूचना मिली की 24 मार्च 2025 को एक व्यक्ति आवैध अफीम लेकर राजस्थान लोक परिवहन सेवा बस से चित्तौडगढ़ होते हुए गंगानगर जा रहा है। सीबीएन प्रतापगढ़ सेल के अधिकारियों ने संदिग्ध मार्ग पर कडी निगरानी रखी गई और मधुरा तालाब चौराहा प्रतापगढ़ से छोटी सादड़ी रोड़ पर राजस्थान लोक परिवहन सेवा बस से 1-010 किलाग्राम अवैध अफीम बरामद की गई। कानूनी औपचारिता पूरा करने के पश्चात बरामद अफीम को जब्त कर लिया गया और एनडीपीएस अधिनियम 1985 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत एक व्यक्ति को गिरफतार किया गया है।

राज्य स्तरीय युवा एवं रोजगार उत्सव 29 मार्च को

कोटा, 26 मार्च। राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में राज्य स्तरीय युवा एवं रोजगार उत्सव का आयोजन 29 मार्च, शनिवार को श्रीराम रंगमंच दशहरा मैदान में किया जाएगा। उत्सव में मुख्यमंत्री विभिन्न विभागों में नव नियुक्त कार्मिकों से संवाद कर नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे।

रोजगार सहायता शिविर- जिला प्रशासन एवं रोजगार कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में रोजगार सहायता शिविर का आयोजन 29 मार्च, शनिवार को प्रातः 10 से सायं 4 बजे तक श्रीराम रंगमंच दशहरा मैदान में आयोजित किया जाएगा जिसमें युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार एवं रोजगार परक प्रशिक्षण के विशेष अवसर प्राप्त होंगे। उप निदेशक उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय मनोज कुमार पाठक ने बताया कि शिविर में भाग लेने के लिए आशार्थियों द्वारा क्यू-आर कोड के माध्यम से पंजीयन किया जा रहा है। शिविर स्थल पर भी आशार्थी क्यू-आर कोड के माध्यम से अपना पंजीयन कर सकते हैं। शिविर में राज्य एवं राज्य से बाहर की विभिन्न निजी कंपनियां टेक्निशियन, रिलेशनशिप ऑफिसर, फील्ड ऑफिसर, सर्विस इंजीनियर, टेक्निकल ऑपरेटर, फाईनेन्स एडवाइजर, सेल्स मैनेजर एवं सिक्योरिटी सुपरवाइजर आदि पदों के लिए रिक्तियां प्राप्त हुई हैं।

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड

निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025-26 (अवधि 01-05-2025 से 31-03-2026) के लिए निरीक्षण वाहन (जैसे ए. सी. डिजायर / इटियोस / वेन्यू / बोलेरो / जीप / ट्रैक्स तूफान या इसी तरह के वाहन) को किराए पर लेने के लिए एमपीटी एंड एस विंग अजमेर के विभिन्न कार्यालयों के लिए इच्छुक बोलीदाताओं द्वारा बोलियां दिनांक 16.04.2025, 03:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। बोलियों की UBN संख्या VPN2425SSOB03786, VPN2425SSOB03787, VPN2425SSOB03788, VPN2425SSOB03789 व VPN2425SSOB03790 है तथा विवरण वेबसाइट https://energy.rajasthan.gov.in/rrvpn/#/home/dptHome व https://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं।

राज.संवाद/सी/24/13854 रा.रा.वि.प्र.नि./TR-6724/2025 अधीक्षण अभियंता (एम.पी.टी.एंड.एस.), अजमेर

पर्यटन मंत्री दिया कुमारी को कोटा टूरिज्म से संबंधित पुस्तक भेंट

पुस्तक 'कोटा टूरिज्म - विजिट कोटा - यादगार कोटा'

कोटा, 26 मार्च। राजस्थान लेखा सेवा के सेवा निवृत अधिकारी एवं यूआईटी के पूर्व राजस्व सलाहकार परमानन्द गोयल द्वारा लिखित पुस्तक 'कोटा टूरिज्म- विजिट कोटा - यादगार कोटा' के द्वितीय संस्करण की प्रति विधानसभा जयपुर में कोटा दक्षिण के विधायक संदीप शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार की उप मुख्यमंत्री, पर्यटन मंत्री एवं वित्त मंत्री श्रीमती दिया कुमारी को भेंट की गई।

पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध हाड़ौती में पर्यटन को दिशा देने के लिए होटल फेडरेशन ऑफ़ राजस्थान कोटा डिवीज़न, कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा व्यापार महासंघ, चंबल इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिवल, अर्बन हेराल्ड जैसी संस्थाओं के द्वारा पिछले कुछ समय से सतत प्रयास किए जा रहे हैं। कोटा संभाग में ऐतिहासिक धरोहरों, विश्वस्तरीय कलाकृतियों, मनोरंजन स्थल, पुरातत्व संरक्षण, धार्मिक स्थल, सामाजिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से विभिन्न दर्शनीय स्थल, इन्फ्रास्ट्रक्चर, फ़िल्म शूटिंग के लिए शानदार लोकेशंस का खजाना है। पर्यटन की दृष्टि से कोटा संभाग का नाम विश्व के मान चित्र के पटल पर उभर कर सामने आए इस हेतु आवश्यक है इन सबके साथ कनेक्टिविटी, नवाचार, कोचिंग, उद्योग, कृषि, सिंचाई, जलवायु, होटल - रिसॉर्ट्स आदि के संबंध में हो। इस क्रम में इस दृष्टि से इस पुस्तक में विस्तृत जानकारी दी गई है।

देवेन्द्र सिंह चौहान द्वारा बताया कि पुस्तक भेंट करने में पुस्तक के लेखक एवं संपादक परमानन्द गोयल, राजस्थान अधीनस्थ लेखा सेवा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व रिटायर्ड ऑफ़िसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश जैन, अजय सोरल, आर के जैन, बी के शर्मा, रवि गुप्ता, के पी गोरवाल, दिनेश विजय, धीरेन्द्र जैन, महावीर जैन, लक्ष्मण सिंह, रणवंत सिंह राणा उपस्थित रहे। पुस्तक के द्वितीय संस्करण में कई जानकारियों को अद्यतन करते हुए एवं नवीन सामग्री सहित कोटा संभाग से संबंधित पर्यटन स्थलों की नवीनतम जानकारी एवं फोटोग्राफ्स का समावेश किया गया है। इस संस्करण में कोटा संभाग से संबंधित कई और जानकारियां भी दी गई है।

इस पुस्तक को इंटरनेशनल स्टैण्डर्ड बुक नंबर भी आवंटित हो गए हैं। इस पुस्तक में कोटा संभाग के पर्यटन की दृष्टि से के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई है। यह पुस्तक पर्यटन स्थलों के संबंध में जो रुचि रखते हैं तथा विद्यार्थियों के लिए भी बहुत उपयोगी है। यह पुस्तक विशेष रूप से कोटा संभाग के पर्यटन को गति देने में सहायक होगी।

जल ही जीवन है इसे बचाइये

कार्यालय नगर पालिका किशनगढ बास (खैरथल-तिजारा) राज0

क्रमांक - 6077 दिनांक- 22.03.2025

ऑनलाईन निविदा सूचना सं. ....

नगर पालिका किषनगढ बास द्वारा परिषद क्षेत्र में लाईट कार्य हेतू ऑनलाईन निविदा http://eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से आमन्त्रित की जाती है। निविदा सूचना राजस्थान लोक उपागम पोर्टल की वेबसाईट http://sppp.raj.nic.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर निम्नानुसार विवरण के द्वारा देखी जा सकती है-

NIB CODE : DLB2425A6837

Work No.	Estimated Cost	UBN No. on SPPP PORTAL	Tender ID on Eproc Portal
1	49.84 Lac.	DLB2425WSRC22237	2025_DLB_454409_1

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/24/13851 नगर पालिका किशनगढ़ बास

RAJASTHAN STATE GANGANAGAR SUGAR MILLS LIMITED
Regd. Office: Center of Excellence for Revenue Research & Analysis
तृतीय मंजिल, अरण्य भवन के पास, झालानाडुँगरी, जयपुर-302004
Tel: 0141-2740841, Fax: 0141-2740676, Email-ID : dgmpurchase.rsgsm@rajasthan.gov.in

NOTICE INVITING BIDS

UBN	NIB No.	Particulars	Last Date of Submission Of Bids
UBN: GSM2425GLR C00113	26	RATE CONTRACT FOR PROCUREMENT OF BOPP TAPE	Till date 16.04.2025 6.00 pm
UBN: GSM2425GLR C00114	27	RATE CONTRACT FOR CORRUGATED BOXES FOR 180 ML PET NIPS & GLASS NIPS	Till date 24.04.2025 6.00 pm

Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state; http://excise.rajasthan.gov.in/, departmental website. Further updates about the bidding will be available only on http://eproc.rajasthan.gov.in therefore interested bidders are advised to visit above website regularly for updates.

Raj.Samwad/C/24/13829 Dy. General Manager (Purchase)

कार्यालय ग्राम पंचायत रातंगा, पंचायत समिति जायल (नागौर)

क्रमांकः ग्रा.पं./निविदा/2024-25/22 दिनांकः 19-03-25

ई-निविदा सूचना / 2024-25

ग्राम पंचायत रातंगा, पंचायत समिति जायल में विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के तहत करवाये जाने वाले निर्माण कार्य के लिये सक्षम श्रेणी के संवेदकों व विनिर्माताओं से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधित विस्तृत विवरण बेब पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदाऐं निर्धारित दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष कय समिति द्वारा खोली जायेगी।

NIB- ZNR2425A0707
UBN- ZNR2425WSOB01184, ZNR2425WSOB01185, ZNR2425WSOB01186,
NIB- ZNR2425A0706, UBN- ZNR2425WSOB01183

प्रशासक, ग्राम पंचायत रातंगा, पंचायत समिति जायल, जिला-नागौर (राज.)
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत रातंगा, पंचायत समिति जायल, जिला-नागौर (राज.)
डीआईपीआर/सी/4225/25

कार्यालय अधीक्षण अभियंता एवं परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर डीडवाना-कुचामन
(कार्यालय पंचायत समिति डीडवाना परिसर)
मेलः sewdsc.deed.kuchaman@rajasthan.gov.in

क्रमांकः WCDC/निविदा/PMKSY-2.0/2024-25/368 दिनांकः 17.03.2025

ई-निविदा सूचना संख्या- 07/PMKSY-2.0/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग जिला डीडवाना-कुचामन में PMKSY-2.0 अन्तर्गत स्वीकृत कार्यों के कुल 1 पैकेज टांका निर्माण कार्य के लिए उपर्युक्त श्रेणी में सार्व. निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वा. अभि. विभाग, सिंचित क्षेत्र विकास में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया द्वारा दिनांक 27.03.2025 को सायं 06.00 बजे तक ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विस्तृत विवरण "https://sppp.rajasthan.gov.in", "https://eproc.rajasthan.gov.in" वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

NIB Code: WSC2425A0673, UBN No.: WSC2425WSOB01406
(2025_WDSC_453202_1)

अधीक्षण अभियंता एवं परियोजना प्रबन्धक
डीआईपीआर/सी/3997/2025 वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, डीडवाना-कुचामन

रेलवे में धूम्रपान करने वालों पर रेलवे सुरक्षा बल ने की कार्रवाई

कोटा, 26 मार्च। भारतीय रेलवे ने यात्रियों और कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में धूम्रपान पर प्रतिबंध किया है। यह कदम रेलवे द्वारा यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वास्थ्यप्रद वातावरण प्रदान करने एवं आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए उठाया गया है। पश्चिम मध्य रेल, रेलवे सुरक्षा बल ने यह सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं कि रेलवे परिसर, स्टेशन और ट्रेन में कहीं भी धूम्रपान न किया जाए। इसके लिए रेल अधिनियम की धारा 167 एवं सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम 2003 के तहत यह प्रतिबंध लागू है, और इसका उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाकर कानूनी कार्रवाई की जाती है। वर्ष 2024 में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा रेलवे परिसर में धूम्रपान करने वाले 8,304 व?यक्तियों के विरूद्ध कार्रवाई कर 16,35,120/- रूपये का जुर्माना वसूला गया तथा वर्ष 2025 में अब तक 1,836 व्यक्तियों के विरूद्ध कार्रवाई कर 3,48,700/- रूपये का जुर्माना वसूला गया। धूम्रपान करने से रेल परिसर एवं ट्रेनों में आग लगने का खतरा बढ़ सकता है, खासकर ट्रेनों में जहां कई इलेक्ट्रिकल और ज्वलनशील सामग्री होती है। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे रेलवे परिसर में धूम्रपान करने से बचें और नियमों का पालन करें ताकि यात्रियों को एक स्वस्थ और सुरक्षित यात्रा का अनुभव हो सके।

विश्व रंगमंच दिवसः थिएटर फोटोग्राफी कार्यशाला में प्रतिभागी सीखेंगे रंगमंच छायाचित्रण की बारीकियां

उदयपुर, 26 मार्च। विश्व रंगमंच दिवस (27 मार्च) के उपलक्ष्य में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर की ओर से दो दिवसीय थिएटर फोटोग्राफी वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर के निदेशक फुरकान खान ने बताया कि तकनीक के बेतहाशा विकास और डिजीटल एरा के इस आधुनिक युग में हर मुट्ठी मोबाइल ने छायांकन कला को बहुत सुलभ और विस्तृत कर दिया है। लेकिन छायांकन कला की आधारभूत जानकारी का अभाव और कैमरा-लाइट-एंगल के बेहतर उपयोग नहीं समझ पाने की दशा में अच्छे फोटोग्राफ्स नहीं आते और बिना सोचे समझे क्लिक करते रहने से डिजीटल कचरा ही संग्रहित होता है।

कार्यालय नगर परिषद, सवाई माधोपुर-राज.

क्रमांक / न.प.स.मा. / 2024-25 / 17232 दिनांकः 17.03.2025

-:: ई-निविदा सूचना वर्ष 2024-25 ::-

केन्द्र एवं राज्य सरकार में उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर पालिका / परिषद / निगम / स्वायत्त शासन विभाग के निविदाताओं से आयुक्त / अधिशाषी अभियन्ता द्वारा सम्बन्धित निविदा आमंत्रित की जाती है कार्यो की अनुमानित लागत 10.00 लाख से 15.00 लाख तक है। टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारिख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राजस्थान सरकार के पोर्टल Website:- www.sppp.raj.nic.in, www.eproc.rajasthan.gov.in देखा जा सकता है।

स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट का UBN Code- DLB2425WSOB21734, DLB2425WSOB21740

राज.संवाद / सी / 24 / 13914 आयुक्त, नगर परिषद, सवाई माधोपुर

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड, मेडतासिटी

क्रमांकः- अअमे/निविदा/2024-25/6772 दिनांकः- 17.03.2025

निविदा सूचना सं. 59-62/2024-2025

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अधीन विभिन्न जलयोजनाओं के संचालन एवं संधारण कार्य हेतु उपर्युक्त श्रेणी में जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिक विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूरसंचार विभाग/रेल्वे इत्याद में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए, बी, सी, डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा फार्म दिनांक 17.03.2025 को 5.30 बजे से दिनांक 03.04.2025 को 18.00 बजे तक डाउनलोड किए जा सकेंगे। निविदाएं दिनांक 04.04.2025 को 12:00 बजे खण्डीय कार्यालय में खोली जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tender.asp तथा http://eproc.rajasthan.gov.in व http://sppp.raj.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

एसपीपी एनआईबी नंबरः- PHE2425A5317

निविदा सूचना संख्या	एसपीपी यूबीआई नम्बर	निविदा सूचना संख्या	एसपीपी यूबीआई नम्बर
59/2024-25	PHE2425WSRC11648	61/2024-25	PHE2425WSRC11650
60/2024-25	PHE2425WSRC11649	62/2024-25	PHE2425WSRC11651

(सुरेश कुमार माली) अधिशाषी अभियंता
जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड, मेडतासिटी
डीआईपीआर/सी/3972/2025 मोबाइल नं.: 8279108040

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड अलवर
ई-मेलः phed_eealw@rediffmail.com
पताः जलदाय परिसर, मनुमार्ग, जिला अलवर, पिनकोड-301001

क्रमांकः 5560-74 दिनांकः 17.03.2025

निविदा सूचना संख्या 62-64/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न निर्माण कार्यों के लिए पी.डब्ल्यू.एफ. एण्ड ए.आर. पार्ट द्वितीय अपेण्डिक्स-16 दिनांक 01.07.99 से लागू एवं समय-समय पर पंजीयन नियमों संबंधी वित्त विभाग द्वारा जारी संशोधित प्रपत्रों आज तक के अनुरूप पंजीकृत/योग्य ठेकेदारों से मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र संख्या 62-64 दिनांक 17.03.2025 से वेबसाइट http://dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp पर देखी जा सकती है तथा निविदा तथा निविदा प्रपत्र sppp.rajasthan.gov.in तथा विभागीय वेबसाईट rajwater.gov.in पर देखे एवं यहां से डाउनलोड किया जाकर प्राप्त की जा सकती है। **निविदा शुल्क ई-ग्रास पोर्टल पर ई-चालान के माध्यम से स्वीकार होगी।** बिना निविदा शुल्क निविदा को निरस्त माना जावेगा। निविदा अपलोड की तिथि 27.03.2025 को सायंकाल 5:00 बजे तक निविदा इस कार्यालय में प्राप्त की जावेगी एवं अगले दिन प्रात 11:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी। निविदा निविदा प्राप्त करने/बेचेने की दिनांक को यदि राजकीय अवकाश हो तो निविदा अगले कार्यदिवस में बेची/खोली जावेगी। निविदा संवेदक अथवा उसके अधिकृत प्रतिनिधि को ही विक्रय की जावेगी। निम्न हस्ताक्षरकर्ता को बिना कारण बताये किसी भी निविदा अथवा भाग को निरस्त करने का अधिकार होगा। निविदा की लागत कम या अधिक की जा सकती है।

NIB No.: PHE2425A5331, UBN No.: PHE2425WSRC11669
UBN No.: PHE2425WSRC11671, UBN No.: PHE2425WSRC11674

निविदा का कार्य	संलग्न प्रपत्र अनुसार
कुल राशि	5553072/-
कुल धरोहर राशि (रुपयों में)	111061/-
निविदा प्रपत्र/डाउनलोड एवं विक्रय की तिथि	17.03.2025 से 27.03.2025 सायं 5.00 बजे तक
धरोहर राशि जमा कराने की तारीख	17.03.2025 से 27.03.2025 सायं 5.00 बजे तक
निविदा जमा कराने की तारीख	17.03.2025 से 27.03.2025 सायं 5.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	28.03.2025 प्रातः 11.00 बजे

अधिशाषी अभियंता
जन स्वा. अभि. विभाग,
डीआईपीआर/सी/3994/2025 खण्ड अलवर

बच्चों के साथ जा रहे हैं पेंच राष्ट्रीय उद्यान देखने

यात्रा के समय इन बातों का रखें ध्यान

बच्चों को अगर आप प्रकृति और वन्यजीवों के बारे में बताना चाहते हैं, तो राष्ट्रीय उद्यान उनके लिए बेस्ट है। बच्चे यहां शेर, हाथी, हिरण, पक्षी और अन्य जानवरों को करीब से देख सकते हैं। बच्चों को जीव जंतुओं को देखना अच्छा लगता है। वह ऐसी चीजें शहरों में केवल फोन और किताबों में ही देख पाते हैं, ऐसे में राष्ट्रीय उद्यान ही ऐसी जगहें होती हैं, जहां उन्हें करीब से देखने का मौका मिलता है। यहां बच्चों को जंगल सफारी, बर्ड वॉचिंग, नेचर वॉक जैसी गतिविधियां भी कर सकते हैं।

पेंच राष्ट्रीय उद्यान में देखने को मिलेंगे इस तरह के जानवर

साल 1993 में इस उद्यान को टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। इस उद्यान में आपको लगभग 210 प्रजातियों के पक्षियों और तरह-तरह के जानवर देखने को मिलेंगी। यह सिवनी और छिंदवाड़ा जिलों में स्थित है। यह उद्यान 758 वर्ग किलोमीटर के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है। इसका आधा हिस्सा महाराष्ट्र में पड़ता है। इसलिए यहां आपका पूरा दिन कब निकल जाएगा, आपको पता भी नहीं चलेगा। सफारी के दौरान आप इस उद्यान का लगभग आधा जंगल सफर कर लेंगे।

पेंच राष्ट्रीय उद्यान समय

यह पार्क 1 मार्च -30 अप्रैल के बीच सुबह 05.30 बजे से 09.30 बजे तक आप यात्रा कर सकते हैं। इसके बाद दोपहर 03.00 बजे - शाम 07.00 बजे तक आप यात्रा कर सकते हैं।

ध्यान रखें कि जून से सितंबर के बीच यह उद्यान पर्यटकों के लिए बंद कर दिया जाता है। इसके अलावा सफारी का समय सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक है। ध्यान रखें कि जीप सफारी महंगी है। यहां आपको 2000 से 3000 रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं।

यहां आपकोहाथी सफारीकरने का भी मौका मिलेगा। अगर आप सफारी पर खर्चा नहीं कर सकते हैं, तो पैदल भी इस उद्यान में घूमने जा सकते हैं।

मथुरा के आसपास में स्थित हैं ये रोमांटिक जगहें, पार्टनर के साथ आप भी पहुंच जाएं

यमुना नदी के किनारे स्थित मथुरा को देश का एक पवित्र धार्मिक स्थल भी माना जाता है। मथुरा में ऐसी कई पवित्र और खूबसूरत जगहें मौजूद हैं, जहां देश के हर कोने से पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। मथुरा में जब कपल्स के घूमने के लिए रोमांटिक जगहों की बात होती है, तो ऐसी बहुत कम ही जगहें मौजूद हैं, जहां कपल्स पहुंचते हैं। इसलिए मथुरा के हजारों कपल्स आसपास की जगहों का ट्रिप बनाते हैं।

भरतपुर

मथुरा के आसपास में स्थित किसी ऐतिहासिक जगह पार्टनर के साथ घूमने की बात होती है, तो कई कपल्स सबसे पहले भरतपुर ही पहुंचते हैं। भरतपुर, राजस्थान का एक ऐतिहासिक शहर है, जो अपने शाही मेहमान नवाजी से हर दिन दर्जन से अधिक कपल्स को आकर्षित करता है। अगर आप मथुरा से सुबह-सुबह भरतपुर घूमने के लिए निकलते हैं, तो शाम तक आराम से घूमकर वापस आ सकते हैं। भरतपुर में आप पार्टनर के साथ भरतपुर महल, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान और लोहागढ़ किला जैसी जगहों पर घूमने के लिए जा सकते हैं। केवलादेव नेशनल पार्क में आप पार्टनर के साथ जंगल सफारी का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

आगरा

मथुरा के आसपास में स्थित किसी विश्व प्रसिद्ध रोमांटिक जगह घूमने की बात होती है, तो कई कपल्स सबसे पहले आगरा ही पहुंचते हैं, क्योंकि प्यार की निशानी %ताजमहल% आगरा में ही मौजूद है। आगरा में ताजमहल देखने सिर्फ मथुरा से नहीं, बल्कि मथुरा के आसपास के अन्य कई शहरों से भी कपल्स घूमने और क्वालिटी टाइम स्पेंड करने के लिए पहुंचते हैं। आगरा में आप पार्टनर के साथ ताजमहल के अलावा अन्य कई जगहों को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। जैसे- आगरा फोर्ट, बुलंद दरवाजा, मेहताब बाग, अकबर का मकबरा और फतेहपुर सीकरी को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

धौलपुर

धौलपुर, राजस्थान का एक प्रमुख और खूबसूरत शहर है। यह शहर अपने इतिहास के साथ-साथ कई बेहतरीन चीजों के लिए जाना जाता है। खासकर, धौलपुर लाल रंग के सैंडस्टोन के लिए पूरे भारत में प्रसिद्ध माना जाता है। धौलपुर को कपल्स के लिए एक रोमांटिक डेस्टिनेशन भी माना जाता है। खासकर, जो कपल्स शांत वातावरण में पार्टनर के साथ समय बिताना चाहते हैं, उनके लिए बेस्ट रोमांटिक डेस्टिनेशन माना जाता है।

मार्च खत्म होने से पहले इस टूर पैकेज में करें साईं बाबा के दर्शन, खर्चा होगा कम

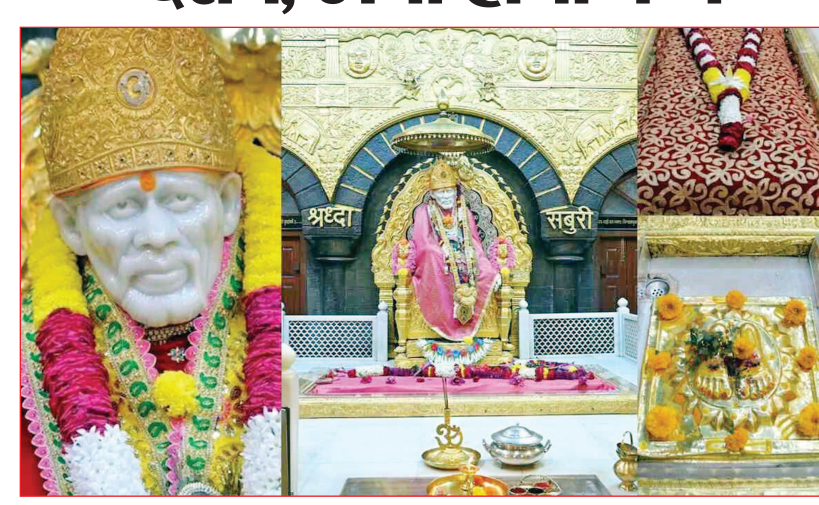

मार्च खत्म होने से पहले कई लोग हैं, जो घूमने का प्लान बना रहे हैं। क्योंकि, इस महीने में लोग अपनी बची हुई छुट्टियों यूज करना चाहते हैं। अगर आप इस महीने में शिर्डी साईं बाबा के दर्शन का प्लान बना रहे हैं, तो आप पैकेज से यात्रा का प्लान बना सकते हैं। पैकेज में आपको बाबा के दर्शन में हर तरह की सुविधा मिलेगी। इसलिए आप आसानी से दर्शन कर पाएंगे। सबसे अच्छी बात यह है कि जब आप ट्रेन से उतरते हैं, तो उतरने के बाद रेलवे स्टेशन के बाहर ही आपको कैब की सुविधा भी मिलेगी। ऐसे में आपको होटल तक जाने के लिए कोई साधन ढूंढना नहीं पड़ेगा। इसके साथ ही होटल से निकलने के बाद मंदिर तक जाने के लिए भी आपको बस और कैब की सुविधा नीचे ही मिल जाएगी। इसलिए अगर आरामदायक यात्रा ढूंढ रहे हैं, तो पैकेज से यात्रा जरूर करें।

साईं शिवम टूर पैकेज

इस पैकेज की शुरुआत 28 मार्च से हो रही है। अगर आपको मार्च में ही घूमना है, तो आप इस पैकेज को बुक कर सकते हैं।

पैकेज 3 रात और 4 दिनों का है।

पैकेज शुरू होने के बाद आप हर शुक्रवार टिकट बुक कर सकते हैं। इसमें आपको नासिक और शिरडी घुमाया जाएगा। पैकेज की शुरुआत बसर, हैदराबाद, कामारेड्डी, निजामाबाद और सिकंदराबाद से हो रही है। पैकेज का नाम साई शिवम है। आप पैकेज का नाम सर्च करके भी इसके बारे में पढ़ सकते हैं।भारतीय रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट से टिकट बुकिंग का तरीका आसान है। आईआरसीटीसी के टूर पैकेज में मिलने वाली सुविधाएंपढ़ने के बाद टिकट बुक करें।

पैकेज फीस

अगर आप अकेले घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो इस पैकेज के लिए आपको 8840 रुपये देने होंगे। 2 लोगों के साथ यात्रा करने पर प्रति व्यक्ति पैकेज फीस 7470 रुपये है। तीन लोगों के साथ यात्रा करने पर प्रति व्यक्ति पैकेज फीस 7450 रुपये है। बच्चों के लिए पैकेज फीस 7350 रुपये है। आईआरसीटीसी के टूर पैकेज में मिलने वाली सुविधाएं पढ़ने के बाद टिकट बुक करें। भारतीय रेलवे की आधिकारिक वेबसाइटसे टिकट बुकिंग का तरीकाआसान है।

भारत की इन प्रसिद्ध दरगाह में हिन्दू भी पहुंचते हैं इबादत करने ...

इस समय देश में रमजान का महीना चल रहा है। रमजान का महीना मुस्लिम लोगों के लिए एक पवित्र और पाक महीना माना जाता है। इसी महीने में मुस्लिम लोगों द्वारा ईद-उल-फितर भी सेलिब्रेट किया जाता है।

रमजान के इस पाक महीने में मुस्लिम लोग चर्चित दरगाह, मस्जिदों और ऐतिहासिक जगहों पर नमाज पढ़ने के लिए पहुंचते रहते हैं। रमजान के महीने में कई लोग देश की प्रसिद्ध दरगाहों में इबादत करने भी पहुंचते हैं। हम आपको देश में स्थित प्रसिद्ध दरगाहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां रमजान के महीने में सिर्फ मुस्लिम लोग ही नहीं, बल्कि हिन्दू लोग भी इबादत करने के लिए पहुंचते हैं।

अजमेर शरीफ दरगाह

भारत में स्थित विश्व प्रसिद्ध दरगाह की बात होती है, तो कई लोग सबसे पहले अजमेर शरीफ दरगाह का ही जिक्र करते हैं। यह सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती का मकबरा है। यह मुस्लिम लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल भी है। अजमेर शरीफ एक ऐसी दरगाह है, जहां सिर्फ मुस्लिम ही नहीं, बल्कि हिन्दू से लेकर अन्य धर्मों के लोग भी इबादत के लिए पहुंचते हैं। इस दरगाह में देश की कई बड़ी-बड़ी हस्तियां भी पहुंचती हैं। रमजान के महीने में हर दिन हजारों लोग पहुंचते हैं।

पता- अजमेर, राजस्थान

कैसे पहुंचें-सबसे पास में अजमेर रेलवे स्टेशन मौजूद है। दिल्ली से नियमित अजमेर के लिए ट्रेन चलती रहती है।

हाजी अली दरगाह

महाराष्ट्र में स्थित हाजी अली दरगाह एक विश्व प्रसिद्ध दरगाह है। यह पीर हाजी अली शाह बुखारी का स्मारक है। यहां आम दिनों में हर दिन हजारों लोग घूमने और शुक्रवार को मुस्लिम लोग नमाज पढ़ने के लिए पहुंचते हैं। हाजी अली एक ऐसी भी दरगाह है, जो सभी धर्मों के लोगों के लिए खुली रहती है। यहां हिन्दू लोग भी चादर चढ़ाने और इबादत करने के लिए पहुंचते रहते हैं। हाजी अली दरगाह, महाराष्ट्र का एक प्रमुख पर्यटन स्थल भी माना जाता है।

पता- मुंबई, महाराष्ट्र

कैसे पहुंचें-हाजी अली दरगाह के सबसे पास में मुंबई सेंट्रल स्टेशन या महालक्ष्मी स्टेशन है।

हजरत निजामुद्दीन दरगाह

हजरत निजामुद्दीन, मुस्लिम सूफी और विश्व प्रसिद्ध सूफी संत निजामुद्दीन औलिया की दरगाह और मस्जिद परिसर है। यह मुस्लिम लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है, जहां हर दिन लोग इबादत के लिए पहुंचते रहते हैं। हजरत निजामुद्दीन दरगाह के बारे में कहा जाता है कि यहां जो भी सच्चे मन से इबादत करने पहुंचता है, उसकी सभी मुरादें पूरी हो जाती हैं। यहां मुस्लिम लोगों के अलावा, अन्य सभी धर्मों के लोग भी इबादत करने के लिए पहुंचते रहते हैं।

पता-निजामुद्दीन, दिल्ली

कैसे पहुंचें- सबसे पास में निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन है। इसके अलावा, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन।

शेख सलीम चिश्ती दरगाह

शेख सलीम चिश्ती की दरगाह भी भारत की एक प्रसिद्ध दरगाह है, जहां सिर्फ मुस्लिम लोग ही नहीं, बल्कि हिन्दुओं के अलावा अन्य कई धर्मों के लोग भी इबादत करने पहुंचते हैं। कहा जाता है कि शेख सलीम चिश्ती मुगल साम्राज्य के सूफी संत थे। रमजान के महीने में यहां हर दिन हजारों लोग घूमने भी पहुंचते हैं। इस दरगाह को आगरा का प्रमुख पर्यटन स्थल भी माना जाता है।

पता-फतेहपुर सीकरी शहर, आगरा

कैसे पहुंचें-सबसे पास में आगरा रेलवे स्टेशन है। आगरा के लिए कई शहरों से नियमित ट्रेन चलती रहती है।

ये दरगाह भी हैं प्रसिद्ध

देश में अन्य और भी कई दरगाह मौजूद हैं, जहां सभी धर्मों के लोग इबादत के लिए पहुंचते हैं।

जैसे-जम्मू कश्मीर में स्थित हजरतबल दरगाह, बीजापुर में स्थित इब्राहिम रौज़ा की दरगाह और उत्तराखंड के रुड़की में स्थित पिरान कालियार शरीफ।

मां वैष्णो देवी मंदिर के पास में स्थित इन अनदेखी जगहों का क्या आपने दीदार किया?

मां वैष्णों का दर्शन करना लगभग हर हिन्दू का सपना होता है। यह एक ऐसा तीर्थस्थल है, जहां देश के हर कोने से श्रद्धालु अपनी-अपनी मुरादें लेकर मां के दरबार में पहुंचते हैं। देश में धार्मिक पद यात्रा पर जाने की बात होती है, तो कई लोग मां वैष्णो देवी की यात्रा का जिक्र जरूर करते हैं। जब भक्त वैष्णो यात्रा पर जाते हैं, तो सिर्फ मां का दर्शन करके भी वापस लौट जाते हैं और आसपास की जगहों पर घूमना भूल जाते हैं।

पंचारी

वैष्णो देवी आयर कटरा के आसपास में घूमने की बात होती है, तो कई लोग पटनीटॉप हिल स्टेशन का नाम लेते हैं, लेकिन पटनीटॉप से कुछ ही दूरी पर स्थित पंचारी के बारे में बहुत कम लोग ही जानते होंगे। जम्मू की वादियों में स्थित पंचारी एक खूबसूरत और मनमोहक पर्यटन स्थल है। जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले में स्थित पंचारी एक खूबसूरत और शांत वातावरण गांव भी है। इसके जम्मू-कश्मीर का पहला पर्यटन गांव भी माना जाता है। इस गांव को प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत भी माना जाता है। यहां आप प्रकृति का लुत्फ उठाने के साथ-साथ ट्रैकिंग, हाईकिंग और कैम्पिंग का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

धार शिव गढ़

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर की हसीन वादियों में स्थित धार शिव गढ़ एक पर्वतीय स्थान है, जहां घूमना लगभग हर किसी का सपना हो सकता है। धार शिव गढ़ को उधमपुर का छिपा हुआ खूबसूरत खजाना भी माना जाता है। बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, घने जंगल, बड़े-बड़े देवदार के पेड़ और झील-झरने धार शिव गढ़ की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं।

बटोत

जम्मू कश्मीर के रामबन जिले में स्थित बटोत एक खूबसूरत बस्ती है, जिसे कई लोग बटोत हिल स्टेशन के नाम से भी जानते हैं। समुद्र तल से करीब 6 हजार भी अधिक फीट की ऊंचाई पर मौजूद बटोत में घूमना लगभग हर किसी का सपना हो सकता है।

अप्रैल में पार्टनर के साथ देश की इन हसीन जगहों पर पहुंचें रोमांटिक पल बिताने

अप्रैल साल का एक ऐसा महीना होता है, जब देश के कई शहरों में भीषण गर्मी पड़ने लगती है। अप्रैल में जब चिलचिलाती गर्मी पहाड़ी है, तो कई लोग पहाड़ों यानी ठंडी-ठंडी जगहों पर घूमने का प्लान बनाते हैं। अप्रैल के महीने में कपल्स भी गर्मी से दूर हसीन और ठंडी-ठंडी जगहों की तलाश करते हैं, जहां सुकून और रोमांटिक पल बिता सकें।

सोनमर्ग

अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी से दूर जम्मू कश्मीर की हसीन वादियों में जब किसी ठंडी जगह रोमांटिक पल बिताने की बात होती है, तो कई कपल्स सबसे पहले सोनमर्ग का ही रुख करते हैं। सोनमर्ग जम्मू कश्मीर का एक खूबसूरत हिल स्टेशन और रोमांटिक डेस्टिनेशन माना जाता है। अप्रैल के महीने में सोनमर्ग का तापमान 2 एष्ट से लेकर 15 एष्ट के बीच रहता है, इसलिए यहां सिर्फ कपल्स ही नहीं, बल्कि अन्य लोग भी घूमने पहुंचते हैं। सोनमर्ग की हसीन वादियों में आप थजवास ग्लेशियर, कृष्णासर झील, विशनसर झील और बालटाल घाटी जैसी रोमांटिक जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

स्पीति वैली

हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में ऐसी कई शानदार और हसीन जगहें मौजूद हैं, जहां अप्रैल में महीने में भारी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। हिमाचल की स्पीति वैली भी एक ऐसी जगह है, जो अप्रैल में रोमांटिक डेस्टिनेशन का काम करती है।

गंगटोक

अगर आप अप्रैल में पूर्व भारत में पार्टनर के साथ घूमने के लिए किसी हसीन और रोमांटिक जगह की तलाश कर रहे हैं, तो फिर आपको गंगटोक पहुंच जाना चाहिए। सिक्किम की राजधानी गंगटोक, पूर्व भारत का एक टॉप क्लास डेस्टिनेशन माना जाता है, बादलों से ऊंचे-ऊंचे पहाड़, घने जंगल और झील-झरने गंगटोक की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं।

विधानसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

सरकार के 4 बिल अटके... विरोध के बाद कोचिंग विधेयक भी प्रवर समिति को भेजा

जयपुर, 26 मार्च। विधानसभा में सोमवार को राजस्थान विधियां संशोधन विधेयक एवं राजस्थान विधियां निरसन विधेयक ध्वनिमत से पारित कर दिए गए। लेकिन, राजस्थान कोचिंग सेंटर नियंत्रण एवं विनियमन विधेयक भाजपा एवं विपक्षी विधायकों के विरोध के चलते प्रवर समिति को भेजना पड़ा। इस सत्र में सरकार का यह तीसरा बिल प्रवर समिति को भेजा गया है। इससे पहले भू राजस्व और भूजल प्राधिकरण को लेकर लाया गया बिल प्रवर समिति को भेजा गया था। सरकार पिछले एवं इस सत्र के मिलाकर 14 बिल लाई, इनमें 10 पारित हुए, 3 प्रवर समिति को भेज दिए गए। धर्मांतरण बिल सदन में चर्चा के लिए लाया ही नहीं गया। इधर, 16वीं विधानसभा का 2025-26 का बजट सत्र सोमवार को स्थगित कर दिया गया। 31 जनवरी से शुरू हुए इस सत्र में 24 बैठकें हुईं। 181 घंटे से अधिक सदन की कार्यवाही चली। इससे पूर्व कोचिंग रेगुलेशन बिल पर बहस के दौरान भाजपा विधायक कालीचरण सराफ ने कहा कि यह बिल अगर मौजूदा स्वरूप में पारित हो गया तो कोचिंग संस्थान राजस्थान से बाहर शिफ्ट हो जाएंगे। हजारों शिक्षक बेरोजगार हो जाएंगे। केंद्र की गाइडलाइन थी कि इस तरह का सिस्टम विकसित हो कि कोई बच्चा 2 दिन गैरहाजिर रहता है तो उसकी सूचना उसके माता-पिता को दी जानी चाहिए, वह प्रावधान इस बिल से गायब है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कोचिंग विधेयक पर कहा कि छात्रों आत्महत्याएं सभी के लिए चिंता का विषय हैं। लेकिन, सरकार कितनी गंभीर है, साफ पता चलता है कि बिल बिना सोचे-समझे और बिना अध्ययन के लाया गया। आप डबल इंजन सरकार की बात करते हो, लेकिन इस विधेयक में न तो केंद्र की गाइडलाइन की पालना की, न उच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों पर अमल किया। यह बिल कोचिंग वालों की इच्छा के अनुरूप लाया गया है। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि मेवाड़ के महान योद्धा राणा सांगा के बारे में सपा सांसद का बयान न केवल राजस्थान की 8 करोड़ जनता, बल्कि सम्पूर्ण देशवासियों को आहत करता है। यह घटिया मानसिकता है। उप्र के सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने कहा था कि इब्राहिम लोधी को हराने के लिए बाबर को राणा सांगा हिंदुस्तान लाया था। अगर मुसलमान बाबर की औलाद हैं तो फिर तुम गद्दार राणा सांगा की औलाद हो। सपा सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा राज्यसभा में राणा सांगा पर अपमानजनक टिप्पणी का मामला सोमवार को विधानसभा में गूंजा। भाजपा-कांग्रेसी सदस्य इस पर भिड़ गए, जमकर हंगामा हुआ। दरअसल, शून्यकाल में पॉइंट ऑफ इन्फॉर्मेशन के तहत भाजपा विधायक श्रीचंद कृपलानी ने कहा कि इंडी गठबंधन के सांसद व सपा महासचिव रामजीलाल सुमन ने वीर योद्धा महाराणा सांगा पर अभद्र टिप्पणी की है। उनके इतना कहते ही हरिमोहन शर्मा खड़े हो गए और बोले कि सांसद पर यहां कोई चर्चा नहीं हो सकती। इस पर भाजपाई सदस्य भड़क गए। हंगामा बढ़ा तो स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा कि चर्चा नहीं हो रही, केवल पॉइंट ऑफ इन्फॉर्मेशन है। लेकिन, शर्मा बोलते रहे और कृपलानी की बात का विरोध करते रहे। इस पर भाजपा विधायकों ने कहा कि आप सुमन के साथ मिले हुए हो, जो राणा सांगा के बलिदान का अपमान कर रहे हैं। भाजपा के पुष्पेंद्र सिंह राणावत ने कहा कि चर्चा क्यों नहीं हो सकती? वे वीर पुरुष थे, जिन्होंने इस देश के स्वाभिमान के लिए लड़ाई लड़ी। उनके शरीर में 80 घाव थे, फिर भी लड़ते रहे। इस दौरान हरिमोहन खड़े होकर बोलते रहे। तब सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने हरिमोहन शर्मा की ओर देखकर कहा कि क्या आप उनसे मिले हुए हो, आप उनका पक्ष ले रहे हो, उनके समर्थन में हो क्या, उनका बचाव कर रहे हो? शर्म आनी चाहिए कि कांग्रेस विधायक दल राणा सांगा के अपमान के साथ खड़ा है। पुष्पेंद्र राणावत ने कहा कि इस विषय पर आधा घंटे की चर्चा कराई जानी चाहिए। भाजपा विधायकों का साथ बसपा विधायक मनोज न्यांगली सहित कुछ निर्दलीय विधायकों ने भी दिया।

9वीं क्लास की छात्रा को थार ने उड़ाया

किशनगढ़, 26 मार्च। बेकाबू थार ने स्कूल से लौट रही 9वीं क्लास की छात्रा को टक्कर मारी। टक्कर से छात्रा करीब 4 फीट हवा में उछली और 10 मीटर दूर जा गिरी। कुछ देर तक थार ड्राइवर घटनास्थल पर रुका। इसके बाद गाड़ी लेकर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने दौड़कर छात्रा को संभाला और उसे अस्पताल में भर्ती करवाया। छात्रा के सिर और हाथ पर चोट आई है।

मामला अजमेर के किशनगढ़ के गांधीनगर की रामनेर रोड का सोमवार दोपहर का है। जिसका सीसीटीवी मंगलवार को सामने आया है। गांधीनगर थाना प्रभारी संजय शर्मा ने बताया- पुलिस को कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। वीडियो के आधार पर थार ड्राइवर की तलाश की जा रही है। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं। पिता बोले- ड्राइवर थार लेकर मौके से भागा मोनिका के पिता रामलाल जाट ने बताया कि मोनिका रोजाना लगभग सवा तीन बजे बस से उतरती है। जहां बस से उतरती है, वहां से घर महज 300 मीटर की दूरी पर है। हादसे की सूचना मिलने पर हम मौके पर पहुंचे थे। तब तक थार का ड्राइवर मौके से भाग गया था। हमने बच्ची को मार्बल सिटी अस्पताल पहुंचाया।

उसके सिर में चोट बताई और रीढ़ की हड्डी पर भी चोट आई है। मंगलवार को एमआरआई करवाने के बाद मार्बल सिटी अस्पताल से उसे अजमेर के लिए रेफर कर दिया गया है। स्कूल के निदेशक डॉ. एस. जाखड़ ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को स्कूल बस से लेने और छोड़ने के लिए आना शुरू करें।

कमरे में सोती रही महिला, चोर घुसा

सीकर, 26 मार्च। सीकर के लक्ष्मणगढ़ इलाके में मकान में चोरी का मामला सामने आया है। जिस दौरान यह वारदात हुई उस वक्त महिला कमरे में ही सो रही थी। सुबह जब उसने देखा तो उसे अपने कमरे में रखी पेटी नहीं मिली। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है। कंटेवा निवासी महिला रोशनी देवी ने लक्ष्मणगढ़ पुलिस थाने में रिपोर्ट देकर बताया कि रात करीब 10 बजे वह अपने कमरे में खाना खाकर सो गई। रोशनी देवी के कमरे में गेट नहीं है। इसी का फायदा उठाकर कोई चोर उनके कमरे में रखी लोहे की पेटी चुरा कर ले गया। सुबह जब रोशनी देवी उठी तो उन्होंने देखा कि कमरे में पेटी नहीं है। पेटी में करीब 250 ग्राम चांदी,सोने के आभूषण,60 हजार रुपए नगदी सहित अन्य सामान पड़ा था। रोशनी देवी ने सुबह जब देखा तो कमरे में एक आदमी के जूते के निशान मिले। अब लक्ष्मणगढ़ पुलिस चोर की तलाश कर रही है।

मिराज ग्रुप के सीएमडी मदनलाल पालीवाल को जमानत

जयपुर, 26 मार्च। मिराज ग्रुप द्वारा 2 हजार करोड़ की जीएसटी चोरी से जुड़े मामले में आर्थिक अपराध मामलों की एसीजेएम कोर्ट ने दो आरोपियों मदनलाल पालीवाल एवं प्रकाशचंद्र पुरोहित को सशर्त जमानत दे दी है। अदालत ने दोनों आरोपियों को बिना कोर्ट की अनुमति के देश नहीं छोड़ने एवं अनुसंधान अधिकारी को जांच में सहयोग करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, विशेष आर्थिक अपराध न्यायालय ने मामले में 3 अगस्त, 2024 को प्रसंज्ञान लेकर आरोपियों को गिरफ्तारी वारंट से तलब किया था। सैशन कोर्ट ने गिरफ्तारी वारन्टों को जमानती वारंट में बदलने से इनकार कर दिया था। आरोपियों के वकील दीपक चौहान ने बताया कि सैशन कोर्ट के गिरफ्तारी वारंट को जमानती वारंट में नहीं बदलने के बाद दोनों आरोपियों की ओर से हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

इस पर सुनवाई के दौरान हमने कहा कि सीधे गैर जमानती वारंट जारी करने का कोई औचित्य नहीं है। याचिकाकर्ता जांच में सहयोग देने के लिए तैयार हैं। इस पर हाईकोर्ट ने गत दिनों गैर जमानती वारंटों को जमानती वारंट में बदलने के आदेश देते हुए कहा था कि याचिकाकर्ता यदि तय समय में ट्रायल कोर्ट के समक्ष उपस्थित हो जाएंगे तो उन्हें हिरासत में नहीं माना जाएगा। उपरोक्त आदेश की पालना में दोनों आरोपी अदालत में उपस्थित हुए और नियमित जमानत प्रार्थना पत्र पेश किए। जिसका जीएसटी इंटेलिजेंस की ओर से विरोध करते हुए कहा गया कि फर्जी फर्मों के नाम पर पैकेजिंग सामग्री की आपूर्ति कर कच्चा माल मिराज प्रोडक्ट्स प्राईवेट लिमिटेड को पहुंचाकर हजारों करोड़ रुपए की कर चोरी करने का गंभीर आरोप हैं।

मुख्य लाइन से काटे 41 अवैध जल कनेक्शन

अजमेर, 26 मार्च। जलदाय विभाग परियोजना खंड अजमेर की टीम की अवैध जल कनेक्शन के खिलाफ कार्रवाई जारी है। टीम ने बीते दो दिनों में गगवाना व कायड़ गांव और गेगल हाईवे पर मुख्य पानी की लाइन से 41 जल कनेक्शन हटाए हैं। घरों के साथ ही रेस्टोरेंट, ढाबों, होटल और फार्महाउस में भी अवैध कनेक्शन मिले। इस दौरान ग्रामीणों के हल्के विरोध का सामना करना पड़ा। टीम एक सप्ताह की कार्रवाई में अब तक 98 अवैध जल कनेक्शन काट चुकी है। विभाग के अनुसार- गगवाना पंप हाउस से 150 एमएम की राइजिंगमेन लाइन निकल रही है, जो नरवर गांव तक जाती है। एईएन के नेतृत्व में इस लाइन से टीम ने बीते दो दिन में 41 अवैध जल कनेक्शन काटे हैं। इस दौरान पुलिस जाप्ता मौजूद रहा। जेसीबी से भूमिगत लाइन को खोदकर अधिकतर जल कनेक्शन हटाए गए। सभी अवैध कनेक्शनधारियों को चिन्हित कर लिया गया है। विभाग के अनुसार अवैध कनेक्शनधारियों को जुर्माने का नोटिस दिया गया है। कुछ अवैध कनेक्शनधारियों के नहीं मिलने से उनके घरों, होटल, ढाबों व फॉर्म हाउस के बाहर नोटिस चस्पा किए गए है। इन सभी अवैध कनेक्शनधारियों से 5 लाख रुपए से अधिक जुर्माना राशि वसूल की जाएगी। इधर विभाग इनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई भी करेगा।

सड़क पर बजरी खाली कर भागा डंपर का ड्राइवर

जोधपुर, 26 मार्च। गुड़ा गांव में डंपर चालक ने विद्युत पोल को क्षतिग्रस्त कर दिया। जोधपुर के गुड़ा बिश्नोईया में पुलिस से बचने की कोशिश में स्कूल के पास बजरी खाली कर डंपर का ड्राइवर भाग गया। भागते हुए डंपर से बिजली पोल को तोड़ दिया। इसके चलते गांव पंचायत में लगी सोलर प्लेट और बिजली के मीटर जमीन पर गिर गए। फिलहाल डंपर ड्राइवर का पता नहीं चल सका है। बता दे कि जोधपुर में अवैध बजरी से भरे डंपर तेज स्पीड में दौड़ते हैं। इसकी वजह से कई बार पहले भी हादसे सामने आ चुके हैं। पूर्व में भी झालामंड क्षेत्र के मोती मार्केट बाईपास में डंपर चालक ने विद्युत पोल को क्षतिग्रस्त कर दिया था। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन भी दिया था।

जोधपुर में पिछले 24 घंटे में 9 जगह लगी आग

जोधपुर, 26 मार्च। जोधपुर के सालावास स्थित हैंडीक्राफ्ट फैक्ट्री में बॉयलर में अचानक से आग लग गई। आग लगने के दो घंटे बाद तक काबू पाया जा सका। आग से फैक्ट्री में रखा सामान आदि जलकर राख हो गया। बता दे कि जोधपुर में रविवार से सोमवार के बीच 9 जगहों पर आग लगने की घटना सामने आई है। पहली घटना जोधपुर के सांगरिया रामनगर में सामने आई। यहां रविवार देर रात तीन फैक्ट्रियों में आग लग गई। दूसरी आग गांगना में आलू चिप्स फैक्ट्री में लगी। तीसरी आग बोरानाडा हैंडीक्राफ्ट में आग लगी जबकि चौथी घटना डाली बाई मंदिर चौराहा की है। यहां एक फैक्ट्री में आग लग गई।

इसके बाद विवेक विहार, बोरानाडा, बिड़ला स्कूल के पास मकान में भी आग लग गई। लापरवाही का आलम यह है कि जिन फैक्ट्री में आग लगने की घटना सामने आई है। वहां पर फायर सेफ्टी को लेकर भी कोई प्रबंध नहीं किए गए थे। इसके चलते प्रशासन पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

सीकर की धान मंडी में चोरी, व्यापारी धरने पर

सीकर, 26 मार्च। सीकर में जयपुर रोड स्थित कृषि उपज मंडी में सोमवार देर रात को चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर धान मंडी से लाखों रुपए का कैश, ड्राई फ्रूट्स व अन्य सामान चोरी कर भाग गए। चोरी की घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गई। जिसमें दो चोर दिखाई दे रहे हैं। पिछले 1 महीने में धान मंडी में चोरी की यह दूसरी बड़ी घटना है। चोरी के बाद आक्रोशित व्यापारियों ने धान मंडी का मुख्य गेट बंद कर दिया। जिसके कारण जयपुर-सीकर हाईवे पर भारी जाम लग गया। घटना की सूचना मिलने पर उद्योग नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। चोरी के बाद व्यापारियों ने धान मंडी का गेट बंद किया। चोरों ने मंडी में स्थित दुकान नंबर 4-5 व 25-26 को निशाना बनाया। चोरों ने नवीन ट्रेडिंग कंपनी व बजरंग एंड ब्रदर्स से करीब 2 लाख की कैश, ड्राई-फ्रूट्स और अन्य सामान चोरी किया। जबकि रामावतार अग्रवाल की दुकान न-25 व मनोहर लाल की दुकान नं-26 के ताले भी तोड़े। हालांकि, इन दुकानों में कितनी चोरी हुई है यह स्पष्ट नहीं हो पाया। नवीन ट्रेडिंग कंपनी की दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे में दो चोर दिखाई दे रहे हैं। खाद्य पदार्थ व्यापार संघ के संरक्षक सुरेश अग्रवाल ने बताया कि सीकर धान मंडी में चोरी की यह दूसरी बड़ी वारदात है। इससे पहले 21 फरवरी को नकाबपोश बदमाशों ने धान मंडी में चोरी की थी। मंडी में लगातार हो रही चोरी की वारदातों से मंडी के व्यापारी भयभीत हैं और चोरों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग कर रहे हैं। वारदात से आक्रोशित व्यापारियों ने धान मंडी का मुख्य गेट बंद कर दिया। जिसके कारण धान मंडी में आने वाले वाहनों की वजह से सीकर-जयपुर हाईवे पर 1 किलोमीटर लंबा भारी जाम लग गया। व्यापारी मंडी के गेट के सामने नारेबाजी करने लगे। करीब 15 मिनट बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जाम खुलवाया। व्यापारियों ने चोरों को जल्द पकड़ने की मांग की है।.

आम जनता के लिए खुला भांकरोटा फ्लाईओवर

जयपुर-किशनगढ़ हाईवे पर जाम से मिलेगी राहत, इस रूट के सभी 10 ब्लैक स्पॉट बंद

जयपुर, 26 मार्च। जयपुर-किशनगढ़ हाईवे स्थित भांकरोटा में बने फ्लाईओवर को आज से आम जनता के लिए खोल दिया गया है। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों के साथ जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। जयपुर-किशनगढ़ हाईवे पर भांकरोटा में पहले यहां एक ट्रैफिक सिग्नल था।

जहां पर वाहन चालकों को 15 से 20 मिनट तक इंतजार करना पड़ता था। कभी-कभी यह समय और भी ज्यादा हो जाता था। इसके बाद इस रूट पर फ्लाईओवर बनाने का फैसला किया गया था। जिसका निर्माण पिछले लंबे वक्त से जारी था। स्थानीय पार्षद अशोक बोहरा ने कहा कि राजस्थान में डबल इंजन की सरकार ने जनता को बड़ी राहत दी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व की वजह से अब जयपुर की जनता को भांकरोटा के जाम में परेशान नहीं होना पड़ेगा। फ्लाईओवर बनने से न सिर्फ इस रूट पर आने-जाने वालों का समय बचेगा, बल्कि एक्सीडेंट होने की संभावनाएं भी कम होंगी। वहीं दूसरी ओर स्थानीय लोग और व्यापारियों को भी इसके बनने से काफी फायदा होगा। बता दें की रिपोर्ट के अनुसार, जयपुर-किशनगढ़ हाईवे देश के सबसे व्यस्त राष्ट्रीय राजमार्गों में शामिल है। 90 किलोमीटर लंबा यह रूट प्रतिदिन 1 लाख से अधिक पैसेंजर कार यूनिट के ट्रैफिक मूवमेंट को झेलता है। ऐसे में प्रत्येक बड़े जंक्शन पर फ्लाईओवर निर्माण अनिवार्य हो गया है। पिछले चार साल में ह्रद्ध द्वारा इस रूट पर 9 फ्लाईओवर बनाए जा चुके थे। इनमें हीरापुरा, नसिंगपुरा, दहमीकलां, महलां, गाडोता, मोखमपुरा, सावरदा, पाडासली, बांदर सिंदरी फ्लाई ओवर शामिल हैं। वहीं अब भांकरोटा फ्लाईओवर के बन जाने से इस रूट के सभी 10 ब्लैक स्पॉट्स समाप्त हो गए हैं। इससे जयपुर-किशनगढ़ हाईवे की यात्रा सुरक्षित और सुगम हो गई है।

जयपुर में हरियाणवी-सिंगर का शो रोका

स्टेज पर चढ़े एसीपी सैकड़ों कॉलेज स्टूडेंट्स के बीच मासूम को नीचे उतारा, इनके कई गाने बैन भी हैं

जयपुर, 26 मार्च। हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा को रविवार रात जयपुर में पुलिस ने गाना गाने से रोक दिया। मासूम शर्मा जयपुर में लाइव शो कर रहे थे। इस दौरान एसीपी सांगानेर विनोद शर्मा स्टेज पर चढ़ गए और सिंगर का शो रुकवा दिया। सिंगर से कुछ मिनट बात करने के बाद उन्हें और उनकी पूरी टीम को नीचे उतारा गया। इस दौरान कुछ शोर-शराबा भी हुआ। एसीपी ने बताया- 23 मार्च को जयपुर के एसकेआईटी कॉलेज में प्रोग्राम चल रहा था। रात 10 बजे बाद डीजे बजाने पर प्रतिबंध है। इसकी पुलिस को सूचना मिली थी। इसलिए शो रुकवाकर डीजे बंद करवाया।

हालांकि इस संबंध में कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। मासूम शर्मा ने शो में तेरे मीठे-मीठे बात तेरी साची लागे% जैसे हरियाणवी गाने गए। इसके बाद वहां जमा फैंस ने मासूम शर्मा से खटोला-2 यानी एक खटोला जेल के भीतर, एक खटोला जेल के बाहर गाने की डिमांड की। इस पर मासूम शर्मा ने कहा कि म्हारे हरियाणा में तो ये गाने बैन हो रहे हैं, यहां पता नहीं क्या सिस्टम है। इसके बाद मासूम शर्मा ने पहले बिना म्यूजिक खटोला-2 गाना गया। इसके बाद उन्होंने इसे म्यूजिक पर गाना शुरू कर दिया। यह सुनते ही वहां तैनात पुलिसकर्मी स्टेज पर आ गए। पुलिस ने शो खत्म होने की घोषणा कर दी। इसके बाद पुलिसकर्मी मासूम को घेरकर स्टेज की साइड में ले गए। इससे नाराज फैंस ने वहां जमकर हूटिंग की। बता दें कि हरियाणा सरकार ने गन कल्चर का हवाला देते हुए 9 हरियाणवी गाने बैन किए हैं। इनमें 7 अकेले सिंगर मासूम शर्मा के ही हैं। इसमें खटोला - 2 गाना भी शामिल है। इससे पहले 21 मार्च की रात को गुरुग्राम के लेजर वैली पार्क सेक्टर 29 में सिंगर मासूम शर्मा का लाइव शो था। जैसे ही मासूम शर्मा ने %एक खटोला जेल के भीतर, एक खटोला जेल के बाहर% गीत गाना शुरू किया तो एसीपी ने माइक ले लिया था। इसके बाद मासूम का शो बीच में ही बंद कर दिया गया। जब पुलिस ने गाने से रोका तो वहां मासूम को सुनने आई भीड़ ने जमकर शोर मचाया था।

एमएलए व पालिकाध्यक्ष के विवाद के बीच ईओ एपीओ

(नगर संवाददाता)

नागौर, 26 मार्च। स्वायत्त शासन विभाग जयपुर ने मेड़ता नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी प्रकाश डूडी को एपीओ कर दिया है। ईओ डूडी पर दोषपूर्ण कार्यशैली जैसी कई शिकायतें हुई थी। इन शिकायतों की वजह से ईओ का मुख्यालय अगले आदेशों की प्रतिक्षा तक निदेशालय किया गया है। स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक एवं विशिष्ठ सचिव इन्द्रजीत सिंह की ओर जारी किए गए आदेश में बताया गया कि पार्षद व जनप्रतिनिधियों की ओर से ईओ डूडी की दोषपूर्ण कार्यशैली, आमजन व जनप्रतिनिधियों के साथ सदव्यवहार नहीं करने, कार्यालय में उपिस्थत नहीं रहने व आमजन के कार्य समय पर निष्पादित नहीं करने जैसी शिकायतें विभाग को मिली है। इन शिकायतों के मद्देनजर ईओ डूडी का मुख्यालय मेड़ता सिटी नगर पालिका से अगले आदेशों की प्रतीक्षा तक निदेशालय किया जाता है। मेड़ता नगरपालिका में पिछले काफी समय से राजनीतिक उठापटक चल रही है। इसी महीने की 11 मार्च को मेड़ता पालिकाध्यक्ष गौतम टाक को भी फर्जी पट्टा प्रकरण में डीएलबी की ओर से 6 साल तक के लिए बर्खास्त किया गया था।

खेतों में लगी आग पर ग्रामीणों ने पाया काबू

नागौर/डीडवाना, 26 मार्च। डीडवाना के पास स्थित ग्राम अमरपुरा में अज्ञात कारणों से खेतों में आग लग गई। आग एक खेत से दूसरे खेत में फैलने लगी। सूचना मिलते ही ग्रामीण और किसान मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बोरवेल, बाल्टियों और टैंकरों की मदद से आग बुझाने का काम शुरू किया। उनकी सूझबूझ और तत्परता से कुछ ही समय में आग पर काबू पा लिया। इस घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। गर्मी और तेज हवा की वजह से आग तेजी से फैल रही थी। ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से स्थिति को नियंत्रित कर लिया। अभी तक खेतों में आग लगने के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है। इस घटना के बाद खेतों में आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए सतर्कता और सुरक्षा उपायों को अपनाने पर जोर दिया है।

अजमेर में जेएलएन अस्पताल में 150 सफाई कर्मी हड़ताल पर

अजमेर, 26 मार्च। अजमेर संभाग के सबसे बड़े जेएलएन अस्पताल में कार्यरत 150 सफाई कर्मी मंगलवार को दूसरे दिन पर हड़ताल पर रहे। इससे पहले सफाई कर्मी काली पट्टी बांधकर बकाया मानदेय जारी करने सहित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर विरोध कर रहे थे। कर्मचारियों ने मांगी पूरी नहीं होने तक हड़ताल जारी रखने की चेतावनी दी है। सफाई कर्मियों की हड़ताल के कारण अस्पताल की सफाई व्यवस्था ठप हो चुकी है। अस्पताल के सफाई कर्मियों के हड़ताल पर जाने से आपातकालीन यूनिट सहित विभिन्न वार्डों व ऑपरेशन थिएटर में साफ-सफाई नहीं हो सकी।

श्रमिक संगठन की बैठक

(नगर संवाददाता)

नागौर, 26 मार्च। राजस्थान राज्य आदर्श भवन व अन्य संनिर्माण श्रमिक युनियन की आम बैठक जिलाध्यक्ष उमाशंकर चौधरी की अध्यक्षता में नेहरू पार्क में आयोजित होगी।

इस बैठक में श्रमिकों की राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओ की जानकारी श्रमिकों को प्रदान कर उक्त योजनाओ की सहायता प्राप्त करने में श्रमिकों को आने वाली समस्याओ पर चर्चा कर समाधान करवाने के लिए आगामी रणनीति तय की जाएगी। श्रमिको के श्रम विभाग द्वारा निरस्त की गई छात्रवृतियो और लम्बित आश्रितों के परिवारो को मिलने वाली मृत्यु सहायता लम्बित आवेदनों के निस्तारण के लिए बैठक में चर्चा कर जिला कलक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा। बैठक में पंजीकृत श्रमिकों को विभागीय नियमानुसार कार्य प्रणाली की जानकारी दी जाएगी। बैठक में जिलेभर के श्रमिक यूनियन पदाधिकारी व पंजीकृत श्रमिक भाग लेंगे।

जयपुर में 8 साल की बच्ची से रेप

जयपुर, 26 मार्च। जयपुर में 8 साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया है। घर में अकेला पाकर आरोपी ने उसके साथ गलत हरकत की। विरोध करने पर बच्ची के साथ मारपीट कर भाग गया। मुहाना थाने में नाबालिग पीड़िता के पिता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले की जांच एडि.डीसीपी पूनमचंद विश्नोई कर रहे हैं। पुलिस ने बताया- मुहाना के रहने वाले व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उनकी 8 साल की बेटी के साथ आरोपी पड़ोसी ने गंदी हरकत की। एक ही जगह काम करने के दौरान आरोपी का घर आना-जाना था। घर में अकेला मिलने पर आरोपी ने उनकी बच्ची के साथ गलत काम किया। बच्ची के विरोध करने पर आरोपी ने मारपीट की। गलत हरकत के साथ ही मारपीट कर आरोपी बच्ची के रोने पर चुपचाप वहां से भाग गया। परिजनों के आने पर बच्ची ने आपबीती सुनाई।

रेलावत व बरवड़ को मिलेगा सम्मान

(नगर संवाददाता)

नागौर, 26 मार्च। राजस्थान सरकार द्वारा अटल ई-गर्वनेंस राज्य स्तरीय अवार्ड वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 के लिए अवार्ड सूची जारी की हैं। नागौर जिले से कुम्भाराम रेलावत, संयुक्त निदेशक, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग नागौर को डिस्ट्रिक्ट डाटा एनालस्टिक सेन्टर के लिए और शिवदयाल बरवड़, सहायक प्रोग्रामर, कलक्टर कार्यालय को सिलिकोसिस केयर के लिए चयन किया गया हैं। 28 मार्च को राजस्थान आईटी डे-2025 पर राजस्थान इंटरनेशनल सेन्टर जयपुर में अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। इस पर अरूण कुमार पुरोहित जिला कलक्टर नागौर ने दोनो को बधाई दी

जयपुर पुलिस कमिश्नर को अपशब्द बोलने वाला कॉन्स्टेबल गिरफ्तार

जयपुर, 26 मार्च। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ सहित कई पुलिसकर्मियों को अपशब्द बोलने वाले कॉन्स्टेबल सुरेन्द्र सिंह को विधायकपुरी थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को आज कोर्ट में पेश किया जाएगा। कॉन्स्टेबल सुरेन्द्र ने अपने सोशल मीडिया पर 20 मार्च को एक वीडियो पोस्ट कर 6 पुलिस अधिकारियों सहित एक निजी व्यक्ति के खिलाफ गलत टिप्पणी की थी। इस पर हरजी खटीक की ओर से विधायकपुरी थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए आरोपी कॉन्स्टेबल को गिरफ्तार कर लिया है। एसीपी अशोक नगर बालाराम चौधरी ने बताया- आरोपी कॉन्स्टेबल सुरेन्द्र सिंह ने 20 मार्च को अपने सोशल मीडिया अकाउंट से 6 पुलिस अधिकारियों को अपशब्द कहे थे। हरजी खटीक की ओर से विधायकपुरी थाने में एक एफआईआर दर्ज कराई गई। आरोपी पुलिस कॉन्स्टेबल सुरेन्द्र को घटना के बाद सस्पेंड कर दिया गया था। वह लाइन में ड्यूटी दे रहा था। कॉन्स्टेबल को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया था। आज आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी इस प्रकार की कई शिकायत सामने आई हैं। इनकी जांच की जा रही है। वहीं, आरोपी कॉन्स्टेबल से पूछताछ की गई तो उसने नशे में होने कारण बताया। पुलिस जांच कर रही है कि आखिर कॉन्स्टेबल ने इतने गंदे शब्दों का इस्तेमाल सोशल मीडिया पर कुछ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ क्यों किये। आखिर वह किस बात को लेकर यह जब बोल रहा था। इस पर जांच की जा रही हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सरोज शर्मा के लिए सांध्य ज्योति दर्पण प्रिंटर्स, डी.एल. टॉवर, 3-ए विद्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया जे.एल.एन. मार्ग जयपुर से मुद्रित व राजकीय अस्पताल के सामने नागौर से प्रकाशित। सम्पादक- रमेश चन्द्र जैन। फोन : 240071 फैक्स- 01582-247171 जयपुर कार्यालयः डी.एल. टावर 3-ए-विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र जेएलएन मार्ग, सम्पादक : महेन्द्र कुमार यादव। फोन : 2709102-3, फैक्स : 0141-2709275, अलवर कार्यालय : केडलगंज, अलवर संपादक चंद्रप्रकाश सैनी। फोन : 2335105,2701531 भरतपुर कार्यालयः कोतवाली रोड, भरतपुर- सम्पादक : जगदीश अग्रवाल, फोन : 223780 | आरएनआई नं. 48413/88